TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 8 अंक 206
सोमवार, 09 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

अमेरिका में बिना किसी टैक्स के बिकेंगे 1.3 बिलियन डॉलर के भारतीय कृषि उत्पाद

नई दिल्ली, 08 फरवरी। भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में संपन्न हुआ द्विपक्षीय व्यापार समझौता भारतीय किसानों और निर्यातकों के लिए अमेरिकी बाजारों के द्वार पूरी तरह से खोल देगा। इस संधि की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि अमेरिका अब 1.36 बिलियन डॉलर मूल्य के भारतीय निर्यात पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगाएगा, जिसमें से विशेष रूप से 1.035 बिलियन डॉलर के कृषि उत्पादों को 'जीरो रेसिप्रोकल टैरिफ' के दायरे में रखा गया है।

यह ऐतिहासिक निर्णय भारतीय निर्यातकों को एक ऐसी स्थिरता और पूवार्नुमान प्रदान करेगा, जिससे वे बिना किसी बाजार अनिश्चितता के अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेच सकेंगे। वर्तमान में भारत का अमेरिका के साथ कृषि व्यापार में पहले से ही 1.3 बिलियन डॉलर का व्यापार अधिशेष (सरप्लस) है, जिसे यह नया समझौता और अधिक मजबूती प्रदान करने वाला है।

भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए इस समझौते के दूरगामी परिणाम होंगे, क्योंकि अब भारतीय मसाले, चाय, कॉफी और उनके अर्क सीधे अमेरिकी रसोई तक बिना किसी कर बाधा के पहुंचेंगे। इतना ही नहीं, भारत के फल उत्पादक किसानों के लिए भी यह एक बड़ी जीत है; अब आम, केला, नारियल, नींबू, अमरूद और अनानास जैसे फलों के साथ-साथ उनके पल्प और जूस के लिए अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा करना बहुत आसान हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, काजू, अखरोट, पिस्ता और पाइन नट्स जैसे मेवों के

साथ-साथ जौ और नारियल तेल जैसे उत्पादों के निर्यात में भी भारी उछाल आने की उम्मीद है। यह समझौता भारतीय किसानों को विश्व स्तरीय बाजार उपलब्ध कराकर उनकी मेहनत का सही मूल्य दिलाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा ।इस समझौते को केवल निर्यात बढ़ाने तक ही सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि भारत सरकार ने ₹किसान-हित सर्वोपरि₹ की नीति अपनाते हुए एक बेहद मजबूत सुरक्षा कवच भी तैयार किया है। देश के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को किसी भी बाहरी खतरे से बचाने के लिए एक विशेष 'छूट श्रेणी' बनाई गई है ।इस श्रेणी के तहत मांस, पोल्ट्री, डेयरी उत्पाद, जीएम फूड, सोया मील, मक्का और ज्वार, बाजरा, रागी जैसे मोटे अनाजों को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है। इसके साथ ही मूंग, काबुली चना और हरी मटर जैसी दालों तथा तिलहन और शहद को भी इस सुरक्षा दायरे में रखा गया है ताकि घरेलू बाजार में किसी भी प्रकार की प्रतिस्पर्धा से हमारे स्थानीय किसानों को कोई नुकसान न हो। यह कैलिब्रेटेड दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि जहां एक ओर हमें नया बाजार मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर हमारे पारंपरिक कृषि आधार पर कोई आंच न आए ।समझौते की बारीकियों पर नजर डालें तो पता चलता है कि सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में उपयोग होने वाले मध्यवर्ती उत्पादों, जैसे कुछ खास तेल और स्टार्च के लिए शुल्क हटाने की प्रक्रिया को 10 वर्षों के लंबे समय में विभाजित किया है।

मुजफ्फरनगर दंगा: हत्या व आगजनी के मामले में साक्ष्य के आभाव में 22 आरोपी बरी

मुजफ्फरनगर, 08 फरवरी। मुजफ्फरनगर जिले की एक अदालत ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े हत्या, लूट और आगजनी के एक मामले में साक्ष्यों के अभाव में 22 आरोपियों को बरी कर दिया। शासकीय अधिवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। शासकीय अधिवक्ता नरेन्द्र शर्मा ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कनिष्क कुमार ने शनिवार को यह कहते हुए आरोपियों को बरी किया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

उन्होंने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आठ सितंबर 2013 को भौराकला थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर रायसिंह गांव में हुई घटनाओं के संबंध में 26 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान चार आरोपियों की मृत्यु हो गई,

जिसके बाद शेष 22 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन कार्रवाई जारी थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हनीफ ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि सैकड़ों दंगाइयों ने गांव में घरों पर हमला किया, संपत्ति लूटी और बाद में घरों में आग लगा दी। शिकायत में आरोप था कि हमले के दौरान शिकायतकर्ता के पिता रहीसुद्दीन की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। दंगाइयों पर एक मस्जिद को नुकसान पहुंचाने और एक पुलिस कांस्टेबल की मोटरसाइकिल में आग लगाने का भी आरोप था।

बरी किए गए आरोपियों में अनिल, सुभाष, संजीव, करण, शेर सिंह, ऋषिपाल, हंसपाल, प्रमोद, विक्की, बादल, मदन, जय नारायण, बृजवीर, विनोद, काला, प्रवीण, जगपाल, प्रेमपाल, पप्पू, नीतू, भूरा और हरेंद्र सिंह शामिल हैं। ये सभी मोहम्मदपुर रायसिंह गांव के निवासी हैं। मुजफ्फरनगर में 2013 में हुए दंगों में 60 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और 40,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए थे।

धीरज कुमार सिंह एशियन राइफल व पिस्टल चैंपियनशिप में जज और ज्यूरी नियुक्त

नई दिल्ली। एशियन शूटिंग कन्फेडरेशन द्वारा जारी आधिकारिक घोषणा के अनुसार भारतीय शूटिंग खेल अधिकारी धीरजकुमार सिंह को प्रतिष्ठित एशियन राइफल एवं पिस्टल चैंपियनशिप 2026 में जज एवं ज्यूरी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। यह प्रतियोगिता 2 से 14 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होगी। धीरजकुमार सिंह ISSF Judges 'A' लाइसेंस धारक हैं, जो शूटिंग खेल में उनकी उच्च तकनीकी दक्षता एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की निर्णायक क्षमता को दशार्ता है। उन्होंने देश की सेवा करते हुए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) तथा इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (ISSF) के तत्वावधान में आयोजित कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में ज्यूरी एवं तकनीकी अधिकारी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका मुख्य योगदान निष्पक्ष खेल, नियमों के पालन, सुरक्षा मानकों एवं प्रतियोगिता की गरिमा बनाए रखने में रहा है। यह नियुक्ति शूटिंग खेल प्रशासन में उनके अनुभव, समर्पण और उत्कृष्ट योगदान का सम्मान आज भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री श्रीपाद नाईक ने इन्हें जज एवं जीयुरी बनाए जाने पर धीरज जयप्रकाश सिंह का स्वागत सम्मान किया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को बताया 'गेम चेंजर'

लखनऊ, 08 फरवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत और अमेरिका के बीच हुए द्विपक्षीय व्यापार समझौते का पुरजोर स्वागत किया है। शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री ने इस समझौते को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतिफल बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रस्तावित टैरिफ (शुल्क) रूपरेखा से उत्तर प्रदेश की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी।

एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत प्रस्तावित भारत-अमेरिका शुल्क (टैरिफ) रूपरेखा राज्य की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को उल्लेखनीय रूप से मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि इससे लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और श्रम-प्रधान उद्योगों को संरचनात्मक सहयोग मिलेगा तथा निवेश और रोजगार के दीर्घकालिक अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह रूपरेखा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है और किसानों के हितों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रक्षा करते हुए भारतीय निर्यातकों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करेगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह पहल मेक इन इंडिया को मजबूती देने के साथ-साथ महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेगी। उन्होंने इस समझौते को आगे बढ़ाने में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका आभार भी व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत जारी संयुक्त बयान ने उत्तर प्रदेश की निर्यात-

आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण नीतिगत संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते का प्रभाव केवल व्यापारिक आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कपड़ा उद्योग, लेदर, कृषि-आधारित उद्योग, एमएसएमई और औद्योगिक विनिर्माण जैसे उन क्षेत्रों पर भी पड़ेगा, जिनमें उत्तर प्रदेश की भागीदारी राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, वैश्विक स्तर पर हस्तनिर्मित कालीनों के लिए प्रख्यात भदोही-मिजार्पुर कालीन निर्माण क्षेत्र लंबे समय से ऊंचे आयात शुल्क के कारण अमेरिकी बाजार में मूल्य प्रतिस्पर्धा की चुनौती झेल रहा था। शुल्क में कटौती के बाद इन उत्पादों की लागत संरचना में सुधार की संभावना है, जिससे निर्यात ऑर्डर और दीर्घकालिक आपूर्ति अनुबंधों को बढ़ावा मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह वाराणसी का रेशम और हैंडलूम क्षेत्र अमेरिकी बाजार में सीमित लेकिन स्थिर मांग के बीच बेहतर पहुंच हासिल कर सकता है। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते में हैंडलूम क्षेत्र को शून्य शुल्क का लाभ मिलने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवार और विभिन्न कारोबार पर पड़ने वाले प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि शुल्क घटने से निर्यात श्रृंखला में उनकी सीधी भागीदारी बढ़ सकती है, जिससे मूल्यवर्धन का बड़ा हिस्सा स्थानीय स्तर पर ही बना रहेगा।

बयान के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संयुक्त बयान में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कृषि, डेयरी, अनाज, मोटा अनाज, मसाले, पोल्ट्री जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में किसानों के हितों की सुरक्षा सर्वोपरि रहेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे कृषि-प्रधान राज्य के लिए यह प्रावधान विशेष महत्व रखता है।

देश के संतुलन के लिए जरूरी हैं 3 बच्चे: मोहन भागवत

नई दिल्ली। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को देश के कई जरूरी मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि भारत को मजबूत बनाने के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि आम जनता और समाज को भी जागरूक होना पड़ेगा। जनसंख्या के मुद्दे पर मोहन भागवत ने कहा कि समाज को संतुलित रखने के लिए परिवारों में तीन बच्चों का होना जरूरी है। उन्होंने इसके पीछे पुराने अनुभवों और सेहत से जुड़े कारणों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि शादी सिर्फ दो लोगों का मामला नहीं है, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी भी है। भागवत जी ने आबादी के बिगड़ते संतुलन के तीन बड़े कारण बताए, जिनमें बच्चों के जन्म की दर, धर्म परिवर्तन और बाहर से आने वाले घुसपैठिए शामिल हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें।

तेज रफ्तार ऑडी ने रौंदा, पिता-पुत्र समेत 3 की मौत

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। शनिवार दोपहर रीवा-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार ऑडी कार ने एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हृदयविदारक बात यह है कि मृतक अपने घर की शादी के निमंत्रण पत्र (कार्ड) बांटने निकले थे।

हादसा दोपहर करीब 3 बजे रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के कोस्टा जिउला मोड़ के पास हुआ। गढ़ा-कटरा के घूमा गांव निवासी 55 वर्षीय भागवत विश्वकर्मा, उनका बेटा शिवम विश्वकर्मा और उनकी रिश्तेदार शीतल विश्वकर्मा के रूप में हुई है। शिवम की शादी 24 फरवरी को होनी तय थी। पूरा परिवार खुशियों में डूबा था और तीनों सदस्य हनुमना से रीवा की ओर रिश्तेदारों को शादी का कार्ड देने जा रहे थे।

पीड़ित, जिसमें एक पिता, उनका बेटा और एक महिला रिश्तेदार शामिल थे, मोटरसाइकिल पर शादी के कार्ड बांट रहे थे, तभी उनकी गाड़ी की टक्कर एक महंगी कार से हो गई।

यह हादसा दोपहर करीब 3 बजे कोस्टा जिउला मोड़ के पास हुआ, जो रीवा से लगभग 20 किलोमीटर दूर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 55 साल के भागवत विश्वकर्मा, उनके बेटे शिवम विश्वकर्मा और उनकी महिला रिश्तेदार शीतल विश्वकर्मा हनुमाना से रीवा की ओर जा रहे थे ताकि शिवम की आने वाली शादी के लिए शादी के कार्ड बांट सकें।

चश्मदीदों ने बताया कि रीवा से आ रही एक तेज रफ्तार काली ऑडी कार ने मोटरसाइकिल को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और मोटरसाइकिल सवारों की मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि टक्कर के बाद ऑडी कार रोड डिवाइडर से टकरा गई और उसमें सवार लोग मौके से फरार हो गए।

राजकोट में एक घर से एक करोड़ रुपये के चांदी के आभूषण चोरी, एक व्यक्ति गिरफ्तार

राजकोट। गुजरात पुलिस ने राजकोट शहर के एक घर से एक करोड़ रुपये मूल्य के 120 किलोग्राम चांदी के आभूषणों की चोरी के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि एक सूचना के आधार पर पुलिस ने प्रदीप प्रजापति को पकड़ा है और उसके पास से 40 किलोग्राम चांदी बरामद की है। यह चांदी उसने चार फरवरी की तड़के रणछोड़ नगर इलाके के एक घर से चुरायी थी। उन्होंने बताया कि अपराध में शामिल एक अन्य प्रमुख संदिग्ध को पकड़ने के लिए सूरत और वडोदरा में तलाशी अभियान जारी है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 982051985
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

जब संसद ही मर्यादा तोड़े, तो आचार-संहिता किसके लिए?

-प्रियंका सौरभ

आज भारतीय संसद की कार्यवाही ने लोकतंत्र की उस बुनियादी शर्त पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं, जिसे हम समानता, गरिमा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहते हैं। संसद केवल कानून बनाने की जगह नहीं होती, बल्कि वह वह मंच होती है जहाँ लोकतंत्र की आत्मा बोलती है। लेकिन जब उसी मंच पर निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी बात निर्बाध रूप से नहीं रख पा रहे हों, तो यह केवल संसदीय अव्यवस्था नहीं रह जाती, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना के क्षरण का संकेत बन जाती है।

यह स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि संसद वह संस्था है, जिससे पूरे समाज को दिशा मिलती है। यदि यहाँ शोर, व्यवधान, व्यक्तिगत हमले और लक्षित अपमान सामान्य होते जा रहे हैं, तो यह संदेश केवल संसद तक सीमित नहीं रहता–यह पूरे समाज में असहिष्णुता और अराजकता को वैधता देता है। यह विडंबना ही है कि जिस देश ने अपने संविधान के माध्यम से जाति, वर्ग और भेदभाव से मुक्ति का सपना देखा था, उसी देश की संसद में आज भी व्यक्ति की पहचान उसके पद से पहले उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि से तय होती दिखाई देती है। राष्ट्रपति का अभिभाषण हो या प्रधानमंत्री का धन्यवाद प्रस्ताव–यदि इन संवैधानिक प्रक्रियाओं को भी शोर, व्यवधान और लक्षित अपमान के बीच पूरा न किया जा सके, तो सवाल केवल राजनीतिक शिष्टाचार का नहीं रहता, बल्कि संस्थागत मर्यादा का बन जाता है। संविधान ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसे पदों को किसी जाति, वर्ग या समुदाय से ऊपर रखा है। ये पद संविधान की संप्रभुता के प्रतीक हैं। लेकिन जब इन पदों पर बैठे व्यक्तियों को भी उनकी सामाजिक पहचान के चश्मे से देखा जाता है, तो यह उस गहरी जातिगत मानसिकता को उजागर करता है, जो आज भी हमारे लोकतंत्र के भीतर जीवित है। संसद में सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है–बल्कि लोकतंत्र में यह उसका कर्तव्य है। लेकिन सवालों का स्वर, भाषा और उद्देश्य भी लोकतांत्रिक मर्यादा के भीतर होना चाहिए। जब प्रश्न नीति, प्रशासन और जनहित की जगह व्यक्तिगत पहचान, सामाजिक वर्ग या जातिगत संकेतों की ओर मुड़ने लगें, तो यह विमर्श नहीं, बल्कि विभाजन की राजनीति बन जाती है। यह प्रवृत्ति न केवल संसद की गरिमा को ठेस पहुँचाती है, बल्कि समाज को भी वही संदेश देती है कि सत्ता के शीर्ष पर पहुँचने के बाद भी व्यक्ति जातिगत खाँचों से मुक्त नहीं हो सकता। इसका असर केवल राजनीतिक नहीं होता, इसका सामाजिक प्रभाव भी गहरा होता है–यह उन करोड़ों लोगों को निराश करता है जो लोकतंत्र को सामाजिक न्याय का माध्यम मानते हैं।

एक सौ चालीस करोड़ की आबादी वाले देश में संसद केवल कानून बनाने की जगह नहीं है; वह लोकतंत्र का नैतिक केंद्र है। यही वह स्थान है जहाँ असहमति को सम्मान मिलना चाहिए, जहाँ बहस होनी चाहिए लेकिन अपमान नहीं, जहाँ टकराव हो लेकिन हिंसक भाषा नहीं। यदि उसी केंद्र में निर्वाचित प्रतिनिधियों की सुरक्षा, सम्मान और अभिव्यक्ति सुनिश्चित नहीं हो पा रही, तो यह तंत्र की गंभीर विफलता है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या संसद के भीतर अनुशासन केवल कागजों तक सीमित रह गया है? क्या सदन की कार्यवाही बाधित करना, योजनाबद्ध शोर मचाना और संवैधानिक प्रक्रियाओं को रोकना अब राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बन चुका है? और यदि ऐसा है, तो क्या इसके लिए कोई स्पष्ट और कठोर जवाबदेही तय की जाएगी? आज विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और सार्वजनिक संस्थानों के लिए आचार-संहिताएँ बनाई जाती हैं–छात्रों और शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे मर्यादा और अनुशासन में रहें। लेकिन क्या यह विडंबना नहीं है कि संसद, जो इन नियमों को बनाने वाली संस्था है, स्वयं अनुशासनहीनता का उदाहरण बनती जा रही है? क्या संसद के लिए भी किसी सख़्त आचार-संहिता की आवश्यकता नहीं है, जो केवल कागज पर नहीं, व्यवहार में लागू हो? यह बहस किसी एक पद, व्यक्ति या राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है। यह उस मानसिकता का प्रश्न है, जो आज भी व्यक्ति को उसकी संवैधानिक भूमिका से पहले उसकी जाति में बाँधकर देखती है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री–दोनों पद संविधान से शक्ति पाते हैं, न कि किसी सामाजिक श्रेणी से। फिर भी, जब सदन के भीतर और बाहर उन्हें उसी पुरानी दृष्टि से देखा जाता है, तो यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा आघात है। हम अक्सर गर्व से कहते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन लोकतंत्र केवल संख्या से बड़ा नहीं होता, उसकी गुणवत्ता भी मायने रखती है। यदि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंच पर ही समानता और सम्मान सुनिश्चित नहीं हो पा रहे, तो यह आत्ममंथन का समय है। देश ने बीते दशकों में विकास, तकनीक और वैश्विक पहचान के अनेक पड़ाव पार किए हैं। हम अंतरिक्ष में पहुँच गए, डिजिटल अर्थव्यवस्था बना ली, वैश्विक मंचों पर अपनी आवाज बुलंद की। लेकिन सामाजिक समानता की कसौटी पर आज भी हम बार-बार फिसलते दिखाई देते हैं। जाति, पहचान और पूर्वाग्रह आज भी हमारे सार्वजनिक जीवन को नियंत्रित करते हैं। यदि संसद स्वयं इस सोच से मुक्त नहीं हो पाती, तो समाज से परिवर्तन की अपेक्षा करना व्यर्थ है। संसद को केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि उदाहरण प्रस्तुत करने वाली संस्था बनना होगा। यहाँ जो आचरण होगा, वही समाज में आदर्श माना जाएगा।

काशी विश्वनाथ : जहाँ मृत्यु भी मुक्ति बनकर मुस्कुराती है...

गंगा की कल-कल धारा, मंदिरों की घंटियों की मधुर गूंज और संकरी गलियों में हर-हर महादेव का स्वर, यह केवल एक नगर का दृश्य नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की जीवित आत्मा है। यही काशी है, जिसे शिव की नगरी, मोक्ष की धरती और अनंत आस्था का केंद्र कहा जाता है। इसी काशी के मध्य में विराजमान हैं श्री काशी विश्वनाथ, जिन्हें श्रद्धालु प्रेम से बाबा विश्वनाथ कहते हैं। भगवान शिव और काशी का संबंध केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सृष्टि के आदि काल से जुड़ा आध्यात्मिक संबंध माना जाता है। हिंदू पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में काशी की महिमा का विस्तृत वर्णन मिलता है। मान्यता है कि जब सृष्टि का अंत भी हो जाता है, तब भी काशी का अस्तित्व बना रहता है क्योंकि यह नगरी स्वयं भगवान शिव के त्रिशूल पर विराजमान है। सनातन परंपरा में काशी को भगवान शिव का सबसे प्रिय स्थान माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है कि शिव स्वयं इस नगरी के स्वामी हैं। धार्मिक मान्यता है ह्लकाश्यां मरणान्मुक्ति:ह्व अर्थात काशी में मृत्यु होने पर आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी विश्वास के कारण देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर से श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए काशी आते हैं। यहां आने वाला हर भक्त केवल पूजा करने नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के रहस्य को समझने की आकांक्षा लेकर आता है।

-सुरेश गांधी

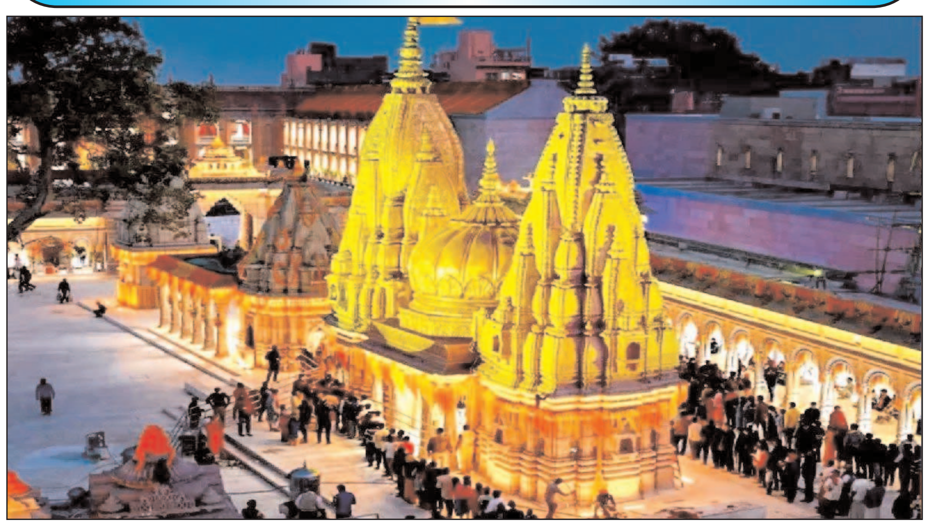

जब इतिहास अपनी स्मृतियों की परतें खोलता है और आध्यात्मिकता अपनी सबसे प्राचीन धड़कनों को सुनाती है, तब काशी का नाम स्वयं ही उजागर हो उठता है। यह वह नगरी है जहां समय भी ठहरकर सनातन चेतना को नमन करता है। गंगा की अविरल धारा, मंदिरों की घंटियों की गूंज, संकरी गलियों में गूंजते शिव नाम और दीपों की स्वर्णिम आभाकृइन सबके मध्य विराजमान हैं श्री काशी विश्वनाथ, जिन्हें श्रद्धालु प्रेम से ह्यबाबा विश्वनाथह्ण कहते हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का ऐसा शिखर है, जहां आस्था, इतिहास, दर्शन और संस्कृति एक साथ स्पंदित होते हैं। सदियों से यह मंदिर श्रद्धालुओं को जीवन के सत्य, मृत्यु के रहस्य और मोक्ष के मार्ग का बोध कराता आया है। सनातन धर्म में काशी को भगवान शिव की प्रिय नगरी कहा गया है। पुराणों में वर्णन मिलता है कि जब सृष्टि का प्रलय होता है, तब भी काशी का अस्तित्व बना रहता है। मान्यता है कि भगवान शिव इस नगरी को अपने त्रिशूल पर धारण करते हैं और यहां सदैव उपस्थित रहते हैं। धार्मिक मान्यता है ह्लकाश्यां मरणान्मुक्तिःह्व अर्थात काशी में मृत्यु होने पर आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है। यही विश्वास इस नगरी को संसार के सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक स्थलों में स्थान दिलाता है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु केवल दर्शन करने नहीं आता, बल्कि जीवन के गूढ़ प्रश्नों का उत्तर खोजने आता है। काशी के घाटों पर बैठा साधक, मंदिरों में गूंजती आरती और गंगा की धाराकृये सभी मिलकर आत्मा को एक अनूठा आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करते हैं।

महाशिव पुराण में काशी की उत्पत्ति को लेकर एक अद्भुत कथा का वर्णन मिलता है। कथा के अनुसार भगवान शिव ही पुरुष और शक्ति स्त्री रूप में प्रकट हुए। शिव और शक्ति के संयोग से प्रकृति और पुरुष की उत्पत्ति हुई। प्रकृति और पुरुष ने जब अपने सृष्टिकर्ता को पहचानने का प्रयास किया तो वे भ्रमित हो गए। उसी समय आकाशवाणी हुई कि सृष्टि के विस्तार के लिए उन्हें तपस्या करनी होगी। दोनों ने भगवान शिव से तपस्या के लिए स्थान मांगा। तब भगवान शिव ने अपनी दिव्य शक्ति से एक सुंदर और विशाल नगर की रचना की। यही नगर आगे चलकर पंचकोशी क्षेत्र के रूप में प्रसिद्ध हुआ। प्रकृति और पुरुष ने इस नगर में तपस्या प्रारंभ की। तपस्या करते-करते उनके शरीर से निकली जलधारा पूरे क्षेत्र में फैलने लगी। तब भगवान शिव ने उस जल को अपने त्रिशूल पर रोक लिया। यही स्थान आगे चलकर काशी के रूप में प्रसिद्ध हुआ।

कथा के अनुसार तपस्या से थककर भगवान विष्णु और प्रकृति वहीं विश्राम करने लगे। उसी समय भगवान विष्णु की नाभि से कमल प्रकट हुआ और उस कमल से ब्रह्मा जी का जन्म हुआ। भगवान शिव की आज्ञा से ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना प्रारंभ की। कहा जाता है कि उन्होंने विशाल ब्रह्मांड की रचना की और भगवान शिव ने पंचकोशी नगरी को अपने त्रिशूल से पृथ्वी से जोड़ दिया। तभी से काशी को मोक्षदायिनी नगरी कहा जाने लगा। धार्मिक ग्रंथों में काशी को ह्यअविमुक्त क्षेत्रह्ण कहा गया है। इसका अर्थ है वह स्थान जिसे भगवान शिव कभी नहीं छोड़ते। मान्यता है कि काशी में शरीर त्यागने वाले व्यक्ति के कान में भगवान शिव स्वयं तारक मंत्र का उपदेश देते हैं, जिससे आत्मा को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है। इसी कारण काशी को मोक्ष की नगरी कहा जाता है।

बारह ज्योतिर्लिंगों में विश्वनाथ का महत्व

भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में काशी विश्वनाथ का विशेष स्थान है। ज्योतिर्लिंग का अर्थ है वह दिव्य प्रकाश स्तंभ जिसमें भगवान शिव स्वयं विराजमान होते हैं। विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग को मोक्ष प्रदान करने वाला ज्योतिर्लिंग माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि बाबा विश्वनाथ के दर्शन मात्र से पापों से मुक्ति मिल जाती है। धार्मिक मान्यता है कि विश्वनाथ शिवलिंग स्वयंभू है। कुछ कथाओं में कहा जाता है कि इसकी स्थापना माता शक्ति ने की, जबकि कुछ मान्यताओं में भगवान विष्णु द्वारा स्थापना का उल्लेख मिलता है। शास्त्रों में बाबा विश्वनाथ को विश्वेश्वर कहा गया है, जिसका अर्थ है संपूर्ण संसार के स्वामी।

ज्ञानवापी और अविमुक्तेश्वर की परंपरा

धार्मिक ग्रंथों में ज्ञानवापी क्षेत्र का भी उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि यहां अविमुक्तेश्वर शिवलिंग स्थित था, जिसे कई लोग काशी का प्रथम शिवलिंग मानते हैं। यह स्थान शिव और पार्वती का आदि निवास स्थान माना जाता है। कई पुराणों और महाभारत के वन पर्व में भी विश्वनाथ की महिमा का वर्णन मिलता है।

इतिहास की धूप-छांव में विश्वनाथ मंदिर

काशी विश्वनाथ मंदिर का इतिहास उतना ही प्राचीन है जितनी काशी स्वयं। धार्मिक ग्रंथों और ऐतिहासिक दस्तावेजों में इस मंदिर का उल्लेख मिलता है। प्राचीन काल की झलक : इतिहासकारों के अनुसार, काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण प्राचीन काल में हुआ था। उस समय यह मंदिर सनातन आस्था का प्रमुख केंद्र था। विदेशी यात्रियों और विद्वानों ने भी अपने लेखों में काशी की धार्मिक महिमा का वर्णन किया है। मध्यकालीन संघर्ष और पुनर्निर्माण रू मध्यकालीन दौर में यह मंदिर कई बार आक्रमणों का शिकार हुआ। 12वीं शताब्दी में मंदिर को क्षति पहुंची, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था ने इसे बार-बार पुनर्जीवित किया। 1669 में मुगल काल के दौरान मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया और उस स्थान पर ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण कराया गया। यह घटना काशी के धार्मिक इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय मानी जाती है।

अहिल्याबाई होल्कर का ऐतिहासिक योगदान

वर्तमान काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण 18वीं शताब्दी में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने कराया। उनके प्रयासों से मंदिर पुनः अपनी भव्यता के साथ स्थापित हुआ। बाद में पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह ने मंदिर के शिखर को स्वर्ण मंडित कराया, जिससे मंदिर की भव्यता और बढ़ गई।

काशी विश्वनाथ धाम का आधुनिक स्वरूप

हाल के वर्षों में काशी विश्वनाथ धाम परियोजना ने मंदिर परिसर को भव्य स्वरूप प्रदान किया है। अब गंगा घाट से मंदिर तक सीधा मार्ग उपलब्ध है। इस परियोजना ने काशी को वैश्विक धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

आरती परंपरा : शिव भक्ति का जीवंत अनुभव

काशी विश्वनाथ मंदिर में होने वाली पांच आरतियां केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि इन्हें ब्रह्मांड यानी सृष्टि के पांच दार्शनिक यानी आध्यात्मिक अवस्थाओं का प्रतीक मानी जाती हैं।

1. मंगला आरती : सृष्टि का जागरण, सुबह ब्रह्म मुहूर्त में होने वाली मंगला आरती को सृष्टि के जन्म का प्रतीक माना जाता है। जब मंदिर के पट खुलते हैं और शिवलिंग पर प्रथम प्रकाश पड़ता है, तब ऐसा प्रतीत होता है मानो ब्रह्मांड में चेतना का उदय हो रहा हो। या यूं कहे सुबह तीन बजे बाबा विश्वनाथ को जागृत किया जाता है। मंत्रोच्चार और घंटियों की ध्वनि के बीच जब आरती होती है, तब श्रद्धालुओं को ऐसा अनुभव होता है मानो सृष्टि का पुनर्जन्म हो रहा हो।

2. भोग आरती : पालन और संतुलन, दोपहर में होने वाली भोग आरती सृष्टि के संरक्षण का प्रतीक है। इस समय भगवान शिव को भोग अर्पित किया जाता है। यह संदेश देती है कि शिव केवल संहारक नहीं, बल्कि जीवन के संरक्षक भी हैं।

3. सप्तऋषि आरती : ज्ञान का प्रकाश, संध्या समय होने वाली सप्तऋषि आरती सात महान ऋषियों की स्मृति में होती है। यह आरती आध्यात्मिक ज्ञान और वैदिक परंपरा का प्रतीक है। दीपों की कतारें और वैदिक मंत्र वातावरण को दिव्य बना देते हैं।

4. श्रृंगार आरती : सौंदर्य और वैभव, रात्रि में बाबा विश्वनाथ का अलंकरण किया जाता है। यह आरती शिव के सौंदर्य और दिव्य वैभव का उत्सव है। चंदन, फूल और अलंकारों से सजाए गए शिवलिंग का दर्शन भक्तों के मन को भक्ति से भर देता है।

5. शयन आरती : ब्रह्मांड की लय, दिन की अंतिम आरती ब्रह्मांडीय विश्राम का प्रतीक है। इसमें भगवान शिव को शयन कराया जाता है। बता दें, काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन प्रतिदिन सुबह तीन बजे से रात 11 बजे तक होते हैं। मंदिर सुबह 2:30 बजे खुलता है और मंगला आरती के साथ दर्शन प्रारंभ होते हैं। भोग आरती सुबह 11:30 बजे तथा सप्तऋषि आरती शाम सात बजे होती है। इन आरती के दौरान स्पर्श दर्शन कुछ समय के लिए बंद किया जाता है।

महाशिवरात्रि और सावन का विशेष महत्व

महाशिवरात्रि के अवसर पर काशी विश्वनाथ मंदिर में लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक करते हैं। सावन माह में कांवड़ यात्रा विशेष महत्व रखती है। श्रद्धालु गंगा जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं।

काशी की सांस्कृतिक विरासत

काशी केवल धार्मिक नगरी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का केंद्र भी है। यहां संगीत, साहित्य और दर्शन की समृद्ध परंपरा रही है। काशी की गलियां, घाट और मंदिर सनातन संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत करते हैं।

मोक्ष का आध्यात्मिक दर्शन

धार्मिक मान्यता है कि काशी में मृत्यु के समय भगवान शिव स्वयं भक्त के कान में तारक मंत्र देते हैं। यही विश्वास काशी को मोक्ष की नगरी बनाता है।

विश्वनाथ : श्रद्धा का शाश्वत प्रतीक

काशी विश्वनाथ मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आत्मा की शांति और आध्यात्मिक मुक्ति का केंद्र है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु स्वयं को भगवान शिव के सान्निध्य में अनुभव करता है।

अनंत आस्था का प्रकाश स्तंभ

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का शाश्वत प्रतीक है। सदियों के संघर्ष और पुनर्निर्माण के बावजूद यह मंदिर श्रद्धालुओं के विश्वास का केंद्र बना हुआ है। काशी केवल एक नगर नहीं, बल्कि मोक्ष का मार्ग, सनातन संस्कृति का प्रकाश स्तंभ और शिव की अनंत कृपा का प्रतीक है। जब गंगा की धारा बहती है और शिव नाम गूंजता है, तब काशी स्वयं आध्यात्मिक चेतना का जीवंत स्वरूप बन जाती है।

ज्योतिर्लिंग की दिव्य उत्पत्ति

सनातन धर्म में बारह ज्योतिर्लिंगों का विशेष महत्व है, जिनमें काशी विश्वनाथ को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। पुराणों के अनुसार, एक बार भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु के बीच श्रेष्ठता को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ। तभी भगवान शिव एक अनंत ज्योति स्तंभ के रूप में प्रकट हुए। दोनों देवताओं ने उस ज्योति स्तंभ का आरंभ और अंत खोजने का प्रयास किया, लेकिन वे असफल रहे। तब भगवान शिव ने अपनी अनंत सत्ता का बोध कराया। इसी घटना के प्रतीक रूप में ज्योतिर्लिंगों की स्थापना हुई। काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग को मोक्षदायिनी शक्ति का केंद्र माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां भगवान शिव स्वयं भक्तों के दुख हरते हैं और उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करते हैं।

मंदिर की वास्तुकला और आध्यात्मिक स्वरूप

काशी विश्वनाथ मंदिर नागर शैली की वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है। मंदिर का स्वर्ण शिखर सूर्य की किरणों में चमकता हुआ श्रद्धालुओं को दिव्यता का अनुभव कराता है। गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग अत्यंत पवित्र माना जाता है। मंदिर परिसर में माता अन्नपूर्णा, काल भैरव और अन्य देवी-देवताओं के मंदिर स्थित हैं, जो काशी की धार्मिक परंपरा को और समृद्ध करते हैं।

धार्मिक पर्यटन और स्थानीय जीवन

काशी विश्वनाथ धाम परियोजना के बाद धार्मिक पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे स्थानीय व्यापार, हस्तशिल्प और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या ने काशी की आर्थिक और सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत किया है।

शतरंज की बिसात पर बढ़ता छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में शतरंज अब महज समय बिताने या मनोरंजन का साधन नहीं रहा बल्कि यह राज्य की नई खेल पहचान बनता जा रहा है। बीते कुछ वर्षों में शतरंज के प्रति बच्चों, युवाओं और अभिभावकों की बढ़ती रुचि ने इस खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। प्रतियोगिताओं की बढ़ती संख्या, प्रशिक्षण शिविरों और अकादमियों की सक्रियता तथा खिलाड़ियों की निरंतर सफलताओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि शतरंज अब छत्तीसगढ़ में भविष्य का एक सशक्त खेल बन चुका है। प्रदेश के लगभग अधिकांश जिलों में शतरंज प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन हो रहा है। स्कूल, जिला और राज्य स्तर की स्पधाओं से खिलाड़ियों को लगातार प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव मिल रहा है। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ तथा उससे संबद्ध जिला इकाइयों के प्रयासों से शतरंज को एक विशिष्ट पहचान और मजबूती मिली है।

वर्तमान में अंडर - 7, अंडर - 9 जैसी कम उम्र से ही खिलाड़ी शतरंज की बारीकियां सीखकर राष्ट्रीय स्तर पर शतरंज स्पधाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। कई खिलाड़ी रेटिंग प्राप्त कर रहे हैं। राज्य में लगातार खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा हो रही है। स्कूलों में भी शतरंज खेल को बढ़ावा दिया जा रहा है। अभिभावकों का नजरिया भी बदला है और वे शतरंज को बच्चों के मानसिक विकास के साथ-साथ संभावित करियर विकल्प के रूप में देखने लगे हैं। शतरंज में खिलाड़ियों, निर्णायकों की बढ़ती संख्या और प्रतियोगिताओं की निरंतरता भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। शतरंज खेल के प्रति बढ़ता रुझान यह भी इंगित करता हैं कि छत्तीसगढ़ तेजी से शतरंज के क्षेत्र में अपनी सशक्त और स्थायी पहचान स्थापित कर रहा है। आने वाले समय में निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के और भी खिलाड़ी उभरने की पूरी उम्मीद है। या यों कहें कि छत्तीसगढ़ में बढ़ता शतरंज का वर्चस्व इस बात का प्रमाण है कि राज्य तेजी से बौद्धिक खेल के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

आने वाले समय में छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता की नई मिसालें गढ़ने वाले खिलाड़ी सामने आएंगे और अपनी प्रतिभा का परचम लहराकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे।

प्रदेश शतरंज संघ का गठन और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ से मिली मान्यता

1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ एक नए राज्य के रूप में देश के नक्शे पर उभरा। राज्य गठन के साथ ही खेलों के संगठन और विकास की दिशा में भी नई संभावनाएँ खुलीं। इसी क्रम में प्रदेश में शतरंज खेल को सुदृढ़ आधार देने, संगठित करने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी शतरंज के पुरोधा व भीष्म पितामह माने जाने वाले विनोद राठी ने संभाली। राज्य गठन के शुरूआती दौर में डी. सी. लूनिया ने प्रदेश शतरंज संघ के अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व संभाला। यह वही ऐतिहासिक समय था जब अविभाजित मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ ने शतरंज के क्षेत्र में भी स्वतंत्र पहचान बनानी शुरू की। संघ के गठन के साथ ही अखिल भारतीय शतरंज महासंघ से संबद्धता प्राप्त हुई, जिससे प्रदेश को राष्ट्रीय शतरंज मंच पर विधिवत मान्यता मिली। यहीं से छत्तीसगढ़ में शतरंज की संगठित उड़ान शुरू हुई।प्रतियोगिताओं का आयोजन, खिलाड़ियों का पंजीयन, प्रशिक्षण शिविरों की पहल और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के खिलाड़ियों की भागीदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ।

रायपुर के रविकुमार छत्तीसगढ़ के प्रथम राज्य चैंपियन

छत्तीसगढ़ राज्य की प्रथम राज्य सीनियर शतरंज स्पर्धा दुर्ग जिला शतरंज संघ एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वावधान में 10 जून से 15 जून 2001 को आयोजित की गई। जिसमें 73 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। रविकुमार ने प्रतियोगिता के अंतिम चक्र में जीत दर्ज कर 7.5 अंकों के साथ छत्तीसगढ़ के पहले राज्य विजेता का खिताब जीतकर राज्य की राजधानी रायपुर को सौगात दी थी। इस प्रतियोगिता में योगेश गोरे,संतोष कौशिक,शेख इदु, गुलशन बग्गा, पी एल शास्त्री,आर पी सिंह ,राजेश अग्रवाल,अलंकार भिवगड़े,पी सी शर्मा एवं रणवीर भट्टी जैसे शतरंज के दिग्गज खिलाड़ियों ने सहभागिता की थी। राजनांदगांव के रणवीर भट्टी ने उन दिनों 15 साल की उम्र में प्रदेश की सीनियर टीम में जगह बनाने में कामयाबी हासिल की और राष्ट्रीय सीनियर स्पर्धा में हिस्सा लेने की पात्रता अर्जित की थी जोकि सर्वाधिक चर्चा का विषय रहा।

राष्ट्रीय सब जूनियर ओपन एवं गर्ल्स चेस चैंपियनशिप : छत्तीसगढ़ शतरंज के लिए मील का पत्थर

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ एवं यूनियन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 5 से 12 नवंबर तक राजधानी रायपुर में 27वीं राष्ट्रीय सब जूनियर ओपन एवं 18वीं राष्ट्रीय सब जूनियर गर्ल्स चेस चैंपियनशिप का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता राज्य गठन के बाद छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख शतरंज प्रतियोगिताओं में से एक रही। इस प्रतिष्ठित आयोजन की आयोजन समिति में प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी सहित कई वरिष्ठ मंत्री एवं जनप्रतिनिधि शामिल थे। देशभर से आए सैकड़ों प्रतिभाशाली बालक-बालिकाओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जिससे रायपुर कुछ दिनों के लिए राष्ट्रीय शतरंज का केंद्र बन गया। इस प्रतिष्ठित स्पर्धा ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय शतरंज मानचित्र पर सशक्त पहचान दिलाई। आयोजन की सफलता से यह स्पष्ट हुआ कि छत्तीसगढ़ बड़े राष्ट्रीय स्तर के शतरंज आयोजनों की मेजबानी करने में पूरी तरह सक्षम है। इसके परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा शतरंज संघों के बीच समन्वय और सहयोग को नई दिशा मिली। इस प्रतियोगिता ने प्रदेश में शतरंज के प्रति शासन स्तर पर विश्वास को और मजबूत किया तथा भविष्य में बड़े आयोजनों का मार्ग प्रशस्त किया। इसी का प्रतिफल रहा कि वर्ष 2002 व में छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से छत्तीसगढ़ चीफ मिनिस्टर ट्रॉफी इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर चेस टूनार्मेंट जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजन का सफल आयोजन संभव हो सका। इस प्रकार राष्ट्रीय सब जूनियर ओपन एवं गर्ल्स चेस चैंपियनशिप न केवल छत्तीसगढ़ शतरंज के विकास में मील का पत्थर साबित हुई, बल्कि इसने प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर से आगे बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय शतरंज मंच की ओर अग्रसर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

8 वर्ष के कियान अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के शतरंज इतिहास में रचा नया अध्याय

छत्तीसगढ़ के शतरंज का सितारा कियान अग्रवाल ने महज 8 वर्ष की अल्पायु में कैंडिडेट मास्टर का प्रतिष्ठित खिताब हासिल कर प्रदेश के शतरंज इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। कियान अग्रवाल ने वर्ष 2017 में रोमानिया में आयोजित वर्ल्ड स्कूल चेस चैंपियनशिप में भाग लिया, जिसमें 60 देशों के खिलाड़ियों ने सहभागिता की। इस महत्वपूर्ण टूनार्मेंट में कियान ने विश्व स्तर पर 12 वां स्थान प्राप्त कर भारत और छत्तीसगढ़ का नाम गौरवान्वित किया। इसके बाद वर्ष 2018 में चीन में आयोजित एशियन स्कूल चेस चैंपियनशिप में कियान ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। इसी उपलब्धि के साथ वे छत्तीसगढ़ से कैंडिडेट मास्टर का खिताब प्राप्त करने वाले पहले खिलाड़ी बने।

शतरंज में उपलब्धियों का शिखर

छत्तीसगढ़ में शतरंज का निरंतर विकास अब उस मुकाम पर पहुँच चुका है, जहाँ प्रदेश से अब टाइटलधारी खिलाड़ी व आर्बिटर उभरकर सामने आ रहे हैं। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 4 इंटरनेशनल आर्बिटर हैं जिनमें पी एन राव, अलंकार भिवगड़े, अनीश अंसारी व रॉकी देवांगन का नाम शामिल है। अप्रैल माह तक इस सूची में क्रमशः दो नाम और जुड़ जाएंगे जिसमें हर्ष शर्मा व शुभम बसोने शामिल होंगे। इसी तरह से फीडे आर्बिटर्स के रूप में गिरधर देशमुख, रविकुमार, रोहित यादव, देवव्रत तिवारी, आशुतोष साहू, हर्ष शर्मा, शुभम बसोने, महिमा लड्ढा,भावना जायसवाल, मुदिता पाण्डेय, ममता देवांगन, आकांक्षा शर्मा ,तरुण सारथी का नाम शामिल है। इस कड़ी में यथाशीघ्र दो नाम और अनिल शर्मा एवं धीरज चावरे जुड़ने वाले है। इसी तरह से 31 सीनियर नेशनल आर्बिटर्स है।

फीडे एवं कैंडिडेट मास्टर

राधेश्याम गुप्ता (एफ एम) , सुश्री किरण अग्रवाल (डब्ल्यू एफ एम) एस धनंजय (एफ एम), कियान अग्रवाल (सी एम), विनोद शर्मा (सी एम), रविकुमार (सी एम), रणवीर भट्टी (सी एम), राज्य का गौरव : शतरंज के विक्रम अवॉर्डी, राधेश्याम गुप्ता, सुश्री किरण अग्रवाल, मनोज वर्मा।

शतरंज में बढ़ता वर्चस्वः छत्तीसगढ़ के रेटेड खिलाड़ी

छत्तीसगढ़ में एक समय ऐसा भी था जब राज्य चयन स्पधाओं में दस रेटेड खिलाड़ी भी मुश्किल से दिखाई देते थे। लेकिन आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। निरंतर प्रयासों, आयोजनों और बढ़ती जागरूकता के चलते प्रदेश में शतरंज का आधार अभूतपूर्व रूप से विस्तृत हुआ है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में स्टैंडर्ड (क्लासिकल) फॉर्मेट में 251 से अधिक रेटेड खिलाड़ी, रैपिड फॉर्मेट में 203 से अधिक तथा ब्लिट्ज फॉर्मेट में 108 से अधिक रेटेड खिलाड़ी सक्रिय रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

महिला शतरंज की स्थिति भी निरंतर सशक्त हो रही है। प्रदेश में कुल 100 से अधिक महिला खिलाड़ी सक्रिय हैं, जिनमें से 40 से अधिक खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय रेटिंग प्राप्त कर चुकी हैं। यह न केवल महिला सहभागिता में वृद्धि का संकेत है, बल्कि शतरंज में लैंगिक संतुलन और समान अवसरों की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम है।

संघर्ष से सफलता की ओर बढ़ता कदम

छत्तीसगढ़ के शतरंज जगत में उदीयमान प्रतिभाएँ निरंतर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर हैं। राजनांदगांव के श्रेयांश डाकलिया इंटरनेशनल मास्टर बनने की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा चुके हैं और अब तक तीन आईएम नॉर्म प्राप्त कर चुके हैं। वहीं भिलाई के एस. धनंजय भी दो नॉर्म पूरे कर अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर चुके हैं।

इसी तरह से राजनांदगांव के स्पर्श खंडेलवाल (1998) भिलाई के यशद बॉम्बेश्वर (1989) रायगढ़ के गगन साहू (1994) तथा रायपुर के शुभंकर बामलिया (1674) व कोरबा के प्रभमन सिंह (1794) लगातार अपने खेल को निखारते हुए रेटिंग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर रहे हैं। इन सभी खिलाड़ियों का स्पष्ट लक्ष्य इंटरनेशनल मास्टर बनकर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन करना है। गर्ल्स कैटेगरी में भी छत्तीसगढ़ की खिलाड़ी पीछे नहीं हैं। तनिषा ड्रोलिया, प्राची यादव, परी तिवारी, हिमानी देवांगन और इशिका मडके, राशि वरुणकर, निरंतर उम्दा खेल का प्रदर्शन कर रही हैं,निस्संदेह, ये सभी खिलाड़ी छत्तीसगढ़ शतरंज की भविष्य की आशाएं हैं।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज का केंद्र

लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद सितंबर 2022 में सीएम ट्रॉफी इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर चेस टूनार्मेंट का छत्तीसगढ़ में भव्य और ऐतिहासिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया। ए कैटेगरी में विश्व के 14 देशों से 128 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई, जबकि बी कैटेगरी में देशभर से 348 खिलाड़ियों ने भाग लेकर प्रतियोगिता को व्यापक स्वरूप प्रदान किया।

सीएम ट्रॉफी के इस भव्य आयोजन ने छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय शतरंज मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाई। विश्वस्तरीय खिलाड़ियों की मौजूदगी और सफल आयोजन के माध्यम से प्रदेश का नाम शतरंज जगत में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हुआ, जिससे छत्तीसगढ़ की खेल-प्रतिभा और संगठन क्षमता को वैश्विक स्तर पर सराहना मिली।

शतरंज टीम चैंपियनशिप रायपुर में

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वावधान में आगामी 16 से 22 मार्च 2026 तक रायपुर में प्रतिष्ठित शतरंज टीम चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भारत के सभी राज्यों से महिला एवं पुरुष वर्ग की टीमें भाग लेंगी। देशभर से आने वाले लगभग 50 टाइटल होल्डर खिलाड़ियों की सहभागिता इस प्रतियोगिता को और भी अधिक रोमांचक बनाएगी। यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करेगा, बल्कि रायपुर को राष्ट्रीय शतरंज मानचित्र पर एक बार पुनः स्थापित करने में कामयाब होगा। साथ ही, यह प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ में शतरंज के विकास को नई दिशा और गति प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी।

-हेमन्त खुटे -विभूति फीचर्स,
लेखक छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के सचिव है

किआ इंडिया का बीपीसीएल के साथ ईवी चार्जिंग सुविधा का विस्तार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। किआ इंडिया ने आज भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। इस साझेदारी से किआ का ङ-चार्ज इकोसिस्टम देशभर में 15,000 से ज्यादा चार्जिंग पॉइंट्स तक पहुंच जाएगा। यह रणनीतिक सहयोग किआ के ईवी ग्राहकों के लिए चार्जिंग की सुविधा को मजबूत करेगा और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में एक बड़ी रुकावट–रेंज की चिंता–को दूर करने में मदद करेगा।

इस बारे में किआ इंडिया के सेल्स एंड मार्केटिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट श्री अतुल सूद ने कहा, ईवी को अपनाने के लिए सुविधा और भरोसा बहुत जरूरी हैं। बीपीसीएल के साथ इस साझेदारी से हम अपने ग्राहकों के लिए ईवी खरीदना और इस्तेमाल करना ज्यादा आसान और बिना तनाव वाला बना रहे हैं। चार्जिंग की पहुंच को बड़े पैमाने पर बढ़ाने से ङ-चार्ज नेटवर्क मजबूत होगा। इससे किआ ईवी ग्राहक अपनी यात्राओं की योजना ज्यादा आत्मविश्वास के साथ बना सकेंगे और भारत की सस्टेनेबल मोबिलिटी की ओर बढ़ने में भी मदद मिलेगी।

भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तेजी से बढ़ रही है, लेकिन चार्जिंग की उपलब्धता अभी भी ग्राहकों के लिए एक बड़ा फैसला तय करने वाला कारक है। बीपीसीएल की पब्लिक चार्जिंग सुविधाओं को ङ-चार्ज में जोड़कर किआ इंडिया रोजमर्रा के ईवी इस्तेमाल को और मजबूत कर रही है। इससे ग्राहक शहरों, हाईवे और शहरों के बीच की यात्राओं में ज्यादा आजादी से घूम सकेंगे। किआ इंडिया और बीपीसीएल के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर चौथे इंडिया एनर्जी वीक 2026 के दौरान किये गये। यह आयोजन 27 से 30 जनवरी तक गोवा के ओएनजीसी अकादमी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में हुआ था। इस समझौते के तहत बीपीसीएल के 3,000 से ज्यादा चार्जिंग पॉइंट्स को किआ के ङ-चार्ज प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा, जिससे देशभर में ङ-चार्ज नेटवर्क की पहुंच बहुत बढ़ जाएगी।

ङ-चार्ज सुविधा मायकिआ ऐप और किआ इंडिया की वेबसाइट के जरिए उपलब्ध है। इससे ग्राहक आसानी से चार्जिंग स्टेशन ढूंढ सकते हैं, वहां नेविगेट कर सकते हैं और चार्जिंग का पेमेंट भी एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म से कर सकते हैं। इस बढ़े हुए नेटवर्क से ग्राहकों को अलग-अलग चार्जिंग प्रोवाइडर्स पर निर्भर रहने की जरूरत कम होगी और उनके लिए ईवी खरीदना और चलाना बहुत सरल हो जाएगा।

यह इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार किआ इंडिया के बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पोर्टफोलियो के साथ जुड़ा है। किआ का पहला मेड-इन-इंडिया इलेक्ट्रिक वाहन कैरेंस क्लैविस ईवी को 7-सीटर स्पेसियस डिजाइन और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के लिए अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसके अलावा किआ के प्रीमियम ग्लोबल ईवी–EV6 और फ्लैगशिप EV9–भारत में ब्रांड की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को और मजबूत कर रहे हैं।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार निवेश और ऐसे पार्टनरशिप के साथ किआ इंडिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को ज्यादा सुलभ, भरोसेमंद और ग्राहक-अनुकूल बनाने पर फोकस कर रही है, ताकि देश में किआ के ईवी ग्रोथ का अगला चरण सफल हो सके।

संजय राउत का सलमान खान और आरएसएस पर बड़ा हमला, पूछा- भाईजान सिर्फ भीड़ जुटाने के लिए बुलाए गए?

मुंबई। हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक बड़े कार्यक्रम में सलमान खान समेत बॉलीवुड की कई हस्तियां शामिल हुईं। संजय राउत ने इस पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या सलमान खान को सिर्फ भीड़ जुटाने के लिए बुलाया गया था? उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से सवाल किया कि क्या यह कदम सिर्फ यह दिखाने के लिए है कि अब संघ में मुसलमानों का स्वागत है? राउत ने यह भी दावा किया कि कई लोग वहां अपनी मर्जी से नहीं, बल्कि दबाव में गए थे।

संजय राउत ने अपनी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे से एक खास अपील की है। उन्होंने कहा कि उद्धव जी को फिर से विधान परिषद में लौटना चाहिए। राउत के अनुसार, मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर चुके उद्धव ठाकरे की मौजूदगी राज्य के लोगों और विपक्ष की मजबूती के लिए विधानसभा में बहुत जरूरी है। यह पूरे महा विकास अघाड़ी गठबंधन की इच्छा है।

मुंबई की नई मेयर रितु तावड़े को लेकर भी संजय राउत ने कड़े शब्द इस्तेमाल किए। उन्होंने उन्हें 'कांग्रेस से उधार लिया हुआ' उम्मीदवार बताया। राउत ने दावा किया कि बीजेपी को केवल शिवसेना (यूबीटी) के दबाव की वजह से एक मराठी मेयर नियुक्त करना पड़ा है क्योंकि उनकी पार्टी लगातार 'मराठी अस्मिता' का मुद्दा उठा रही थी।

संजय राउत ने जिला परिषद के चुनावों की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पैठन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एक विधायक छोटे बच्चों को वोट डलवाने ले आए थे और ईवीएम में भी गड़बड़ी की खबरें मिलीं। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि अब चुनाव, चुनाव नहीं रहे बल्कि एक 'बच्चों का खेल' बन गए हैं।

सीआईएसएफ की वंदे मातरम् कोस्टल साइक्लोथॉन-2026 सुरक्षित तट, समृद्ध भारत का संदेश

वंदे मातरम् कोस्टल साइक्लोथॉन का डहाणू में जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ की उपस्थिति में किया जायेगा भव्य स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। तटीय सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता, राष्ट्रीय एकता और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने के उद्देश्य से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा आयोजित वंदे मातरम् कोस्टल साइक्लोथॉनझ2026 देशभर में एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय अभियान के रूप में उभर रही है। इस विशाल साइक्लोथॉन के तहत तटीय सुरक्षा, फिटनेस और राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है।

साइक्लोथॉन 10 फरवरी को सुबह 5 बजे दमन से रवाना होकर लगभग सुबह 9 से 9:30 बजे दहानू पहुंचेगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ तथा उपविभागीय अधिकारी विशाल खत्री की उपस्थिति में स्कूली छात्रों और ग्रामीण मछुआरों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ साइकिल चालकों का भव्य स्वागत किया जायेगा। सुबह 11 बजे तारापुर स्थित टैप्स परिसर में सीआईएसएफ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। साइकिल चालक रात में जूचंद्र स्थित चंडिका देवी मंदिर में विश्राम करेंगे और 11 फरवरी की सुबह मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया के लिए रवाना होंगे। यह साइक्लोथॉन 25 दिनों में 6,553 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए भारत के पूरे मुख्य भूमि तटरेखा को कवर करेगी। यह देश की अब तक की सबसे व्यापक तटीय साइक्लिंग पहल मानी जा रही है। पश्चिम तट से लखपत किला (गुजरात) और पूर्व तट से बक्खाली (पश्चिम बंगाल) से दो दल एक साथ रवाना हुए हैं, जो 22 फरवरी को कोच्चि (केरल) में मिलेंगे। मार्ग में सूरत, मुंबई, गोवा, मंगलुरु, चेन्नई, विशाखापट्टनम, पुडुचेरी और कन्याकुमारी जैसे प्रमुख शहर शामिल हैं। इस साइक्लोथॉन में सीआईएसएफ के 130 अधिकारी भाग ले रहे हैं, जिनमें 65 महिला अधिकारी शामिल हैं। प्रतिभागियों ने एक माह से अधिक समय तक कठोर प्रशिक्षण लिया है, जिसमें सहनशक्ति, पोषण, साइक्लिंग सुरक्षा और शारीरिक फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया गया। भारत के समुद्र तट पर 250 से अधिक बंदरगाह हैं, जो देश के लगभग 95 प्रतिशत व्यापार का संचालन करते हैं। ऐसे में तस्करी, घुसपैठ और अवैध गतिविधियों के खतरे को देखते हुए सीआईएसएफ पिछले पांच दशकों से प्रमुख बंदरगाहों और तटीय बुनियादी ढांचे की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस साइक्लोथॉन का उद्देश्य मछुआरों और स्थानीय समुदायों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, युवाओं में फिटनेस और अनुशासन का प्रसार करना तथा सुरक्षा बलों के बलिदान का सम्मान करना है। अभियान के संदेश को व्यापक रूप से फैलाने के लिए अहमदाबाद, मुंबई, गोवा, कोलकाता, चेन्नई, कोच्चि और विशाखापट्टनम सहित प्रमुख शहरों में एक साथ प्रेस ब्रीफिंग आयोजित की गई है। सीआईएसएफ ने नागरिकों से तटीय सुरक्षा में सहयोग करने तथा मार्ग व कार्यक्रम के बारे में और अधिक जानकारी के लिए www.cisf.gov.in पर विजिट करने की अपील की है।

कल्याण में कांग्रेस का उग्र आंदोलन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। एप्सटीन फाइल्स के मुद्दे पर विपक्षी दल कांग्रेस आक्रामक होती नजर आ रही है। कल्याण पश्चिम में युवक कांग्रेस ने एप्सटीन फाइल्स को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ जोरदार आंदोलन किया। कल्याण पश्चिम के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर इकठ्ठा हुए कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग की। आंदोलनकताओं के हाथों में एप्सटीन-मोदी, भाई-भाई के पोस्टर नजर आए। इस दौरान कांग्रेसियों ने सड़क पर बैठकर चक्का जाम करने की कोशिश की। हालांकि आंदोलन उग्र होता देख बाजारपेठ पुलिस ने कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजभाऊ पातकर, युवक जिलाध्यक्ष जपजीत (बॉबी) सिंह माटा, प्रदेश सचिव नवीन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष शादाब खान सहित कार्यकताओं को हिरासत में लिया। आंदोलन में गोरीला और मराठी फिल्म झपाटलेला का किरदार तात्या बिंचु की वेशभूषा पहने आंदोलक भी दिखाई दिए।

मुंबई में उदासी और तनाव है मानसिक स्वास्थ्य सहायता लेने की सबसे बड़ी वजह : एमपावर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जैसे तेज रफ्तार और दबाव भरे शहर में मानसिक परेशानी अब सिर्फ गंभीर या अचानक होने वाले संकटों के रूप में नहीं, बल्कि लगातार बने रहने वाले लो मूड (उदासी), तनाव और नींद से जुड़ी समस्याओं के रूप में सामने आ रही है। आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट की पहल एमपावर के आंतरिक ट्रेंड्स बताते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य सहायता लेने वालों में सबसे बड़ी वजह उदासी और उससे जुड़े लक्षण हैं। फाउंडर एवं चेयरपर्सन श्रीमती नीरजा बिरला के नेतृ?व वाले आदित्य बिरला एजुकेशन ट्रस्ट की पहल एमपावर के आंतरिक आंकड़ों के अनुसार, मानसिक स्वास्थ्य सहायता लेने वालों में 32.20% लोग लगातार उदासी और उससे जुड़े लक्षणों के कारण मदद मांग रहे हैं। वहीं 20.47% लोग पढ़ाई, नौकरी और रिश्तों से जुड़े तनाव की वजह से सहायता ले रहे हैं। ये दोनों कारण मिलकर कुल रिपोर्ट की गई मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के आधे से ज्यादा मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो शहरी जीवन में रोजमर्रा के मानसिक दबाव के बढ़ते असर को दशार्ता है। इसके अलावा, वास्तविक दुनिया से अलग महसूस करने जैसे लक्षण (12.01%) और नींद से जुड़ी परेशानियां (8.46%) भी प्रमुख रूप से सामने आईं। यह संकेत देता है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं लोगों की रोजमर्रा की कार्यक्षमता, भावनात्मक संतुलन और स्थिरता को प्रभावित कर रही हैं। एमपावर सेंटर, मुंबई की मनोचिकित्सक और प्रमुख डॉ. हर्षिदा भंसाली ने कहा, ह्लहम सिर्फ एंग्जायटी या डिप्रेशन जैसे लेबल्स नहीं देख रहे। लोग थकावट, मानसिक बोझ, उत?साह में कमी और हालात से निपट पाने में परेशानी जैसी समस?याओं के साथ आ रहे हैं। कई बार वे अपनी समस्या का नाम नहीं जानते, लेकिन यह जरूर महसूस करते हैं कि सब कुछ ठीक नहीं है। एमपावर के कार्यक्रमों के आंकड़े बताते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य सहायता की जरूरत सभी उम्र वर्गों में देखी जा रही है। लेकिन खासतौर पर युवा इसमें सबसे ज्यादा आगे हैं, विशेष रूप से पढ़ाई से जुड़े माहौल में।

उर्दू जलसा में इंटर कालेज मेंहदी स्पर्धा में जीएम मोमिन वीमेंस कालेज स्टडी सेंटर की छात्रा खान अलफिजा आफताब प्रथम

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुंबई की बज्में अहबाब फाउंडेशन और मुंबई विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित उर्दू जलसा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में इंटर कालेज मेंहदी स्पर्धा भी शामिल थी, जिसमें मुंबई, भिवंडी सहित अन्य शहरों से बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। इस मेंहदी प्रतियोगिता में जीएम मोमिन वीमेंस कालेज स्टडी सेंटर, भिवंडी की ओर से बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा खान अलफिजा आफताब ने सहभागिता की और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर कालेज का नाम रोशन किया। छात्रा को इस प्रतियोगिता के लिए सोफिया मोमिन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ था। इस उल्लेखनीय सफलता पर केएमई सोसायटी के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण, कालेज के प्राचार्य जिया-उर-रहमान अंसारी, वाईसीएमओयू स्टडी सेंटर की इंचार्ज सफा आगा, समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी तथा समस्त स्टाफ की ओर से पुरस्कार विजेता छात्रा और मार्गदर्शक शिक्षिका को हार्दिक बधाई दी गई।

राडो ने 3 स्पेशल एडिशन घड़ियाँ लॉन्च की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्विट्ज़रलैंड में जन्मे डिजाइन विजनरी ले कॉर्बुसियर के आर्किटेक्चर के अनोखे और प्रभावशाली तरीके को स्पेशल-एडिशन राडो घड़ियों के एक नए कलेक्शन में दिखाया गया है। ये नई घड़ियाँ राडो और लेस कुलेर्स सुइस के बीच लंबे समय से चल रहे सहयोग का लेटेस्ट नतीजा हैं। मास्टर ऑफ मटेरियल्स के नाम से पहचान रखने वाला राडो ले कॉर्बुसियर के बोल्ड डिजाइन और आधुनिक मटेरियल और स्टेटमेंट रंगों का इस्तेमाल घड़ी बनाने के अपने तरीके और इनोवेशन की भूख से मेल खाता है। अब तक, इस पार्टनरशिप में 12 राडो घड़ियाँ लॉन्च की गई हैं, जिन्होंने आधुनिक आर्किटेक्चर में उनके योगदान पर फोकस किया - जिसने उस समय उभर रही ब्रूटलिस्ट स्टाइल की नींव रखी - जिसमें हर घड़ी उनके सबसे शानदार प्रोजेक्ट्स में से एक को दिखाती है।

पहली घड़ी ला सिटे रेडियूज को ट्रिब्यूट देती है, जो फ्रांस के मार्सिले में एक विशाल, कंक्रीट की अपार्टमेंट बिल्डिंग है, जो 1952 में पूरी हुई थी, और जिसने आधुनिक शहरी जीवन को फिर से परिभाषित किया। इस स्पेशल एडिशन में बिल्डिंग के रफ-कास्ट, बोर्ड-फॉर्म्ड कंक्रीट, जिसे बेटन-ब्रूट के नाम से जाना जाता है, का एक एब्स्ट्रैक्ट इंस्पिरेशन है, जिसे इसके हाई-टेक सिरेमिक डायल पर लेजर से उकेरा गया है। यह कंक्रीट के अंदरूनी टेक्सचर की एक बहुत ही जटिल व्याख्या देता है, जिसमें हर छोटी डिटेल दिलचस्प तरीके से रोशनी को दिखाती है।

दूसरी घड़ी अमेरिका के मैसाचुसेट्स के कैम्ब्रिज में कारपेंटर सेंटर फॉर द विजुअल आर्ट्स को सम्मान देती है। अमेरिकी इतिहास से इतने करीब से जुड़े इस इलाके में, सेंटर का बोल्ड एस्थेटिक हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के हरे-भरे चौकों और जॉर्जियाई आर्किटेक्चर से बिल्कुल अलग था। यह एकमात्र ऐसी बिल्डिंग है जिसे ले कॉर्बूसियर ने नॉर्थ अमेरिका में डिजाइन किया था झ और उनके आखिरी कामों में से एक, जो 1963 में पूरा हुआ यह देश की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

सीरीज की आखिरी घड़ी भारत के चंडीगढ़ के लिए अपनी दूरदर्शी योजना के जरिए ले कॉर्बुसियर की विचारों को वास्तव में बड़े पैमाने पर सोचने की क्षमता का जश्न मनाती है। पंजाब के लिए पूरी तरह से एक नई राजधानी के रूप में कल्पना की गई, उन्होंने एक ज्यादा तर्कसंगत, कुशल शहर की कल्पना की जिसमें एक ज्यामितीय 'ग्रिड' लेआउट, वास्तुशिल्प डिजाइन के लिए साझा सिद्धांत और प्रकृति को सावधानी से एकीकृत किया गया था एक डिजाइन विरासत जिसने 20वीं सदी के बाकी हिस्सों में शहरी नियोजन को आकार दिया।

तीनों घड़ियों के पीछे 63 डिजिटली प्रिंटेड कलर स्ट्रिप्स हैं झ जो पॉलीक्रोमी आर्किटेक्चरल के पूरे स्पेक्ट्रम को दिखाती हैं। ये अंदर राडो कैलिबर आर763 ऑटोमैटिक मूवमेंट के व्यू को घेरे हुए हैं, जिसे एक फ्लैट नीलम क्रिस्टल के जरिए देखा जा सकता है, जिसके सेंटर में ले कॉर्बुजियर का लोगो है। ये कलर स्ट्रिप्स उस प्रेजेंटेशन बॉक्स को भी सजाती हैं जिसमें हर घड़ी दी जाती है।कलाई पर, घड़ी का हाई-टेक सिरेमिक कंस्ट्रक्शन बहुत हल्का और आरामदायक लगता है झ यह मटेरियल जल्दी से शरीर के तापमान से मेल खाता है झ जबकि मटेरियल की आकर्षक खूबियां बहुत लुभावनी हैं। हाई-टेक सिरेमिक की लगभग स्क्रैच-प्रूफ खासियत इसे बेजोड़ टिकाऊपन देती है, ठीक वैसे ही जैसे ले कॉर्बुज़ियर का पसंदीदा कंक्रीट, जबकि राडो कैलिबर फ763 ऑटोमैटिक मूवमेंट का 80 घंटे का पावर रिजर्व झ और 5 बार (50 मीटर) तक वॉटर रेजिस्टेंस झ इसे शानदार प्रैक्टिकैलिटी देता है।

भायंदर के काशी विश्वनाथ मंदिर में जागरण व भंडारा, शामिल हुए हजारों भक्त

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के प्रख्यात समाजसेवी तथा देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी द्वारा अपने माता-पिता की स्मृति में भायंदर पूर्व के आरएनपी पार्क में बनवाए गए दिव्य और भव्य काशी विश्वनाथ मंदिर में आज श्री राम मानस प्रचार समिति द्वारा मां भगवती का विशाल जागरण व भंडारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने शामिल होकर महाप्रसाद ग्रहण किया। लल्लन तिवारी ने अपने हाथों से भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया। उनके साथ मंदिर के ट्रस्टी पुरुषोत्तम पांडे, भोर भ्रमण परिवार के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी, समाजसेवी अभयराज चौबे ने भी महाप्रसाद का वितरण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीराम मानस प्रचार समिति के संस्थापक श्रीराम दुबे, अध्यक्ष वीरेंद्र पाठक, कोषाध्यक्ष बबलू पांडे, सुशील त्रिपाठी, दिनेश दुबे, जमीदार मिश्रा, रामप्रवेश तिवारी , संजय श्रीवास्तव , नीरज तिवारी, विनोद पांडे, अशोक मिश्रा, संजय दुबे,डीएम मिश्रा ,अनिल गुप्ता, हौसिला शुक्ला, दाढ़ी तिवारी, संतोष मिश्रा, पप्पू तिवारी की सक्रिय भूमिका रही ।समाजसेवी पीजी सिंह तथा समाजसेवी अमित उपाध्याय का विशेष योगदान रहा।

मानकोली के हरिहर कंपाउंड में लगी भीषण आग में छह गोदाम जलकर खाक

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के मानकोली परिसर स्थित हरिहर कंपाउंड में रविवार दोपहर गादी और कागज का भंडारण किए गए एक गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। यह गोदाम हरिहर कंपाउंड की एझ2 नामक दो मंज़िला इमारत में स्थित है, जहां बॉम्बे ट्रॉफी कंपनी द्वारा गद्दी और कागजी रोल बनाने का कार्य किया जाता था। दोपहर के समय अचानक पहली और दूसरी मंज़िल पर आग भड़क उठी। रविवार होने के कारण कंपनी में कामगारों की संख्या कम थी। आग लगने का पता चलते ही वहां मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत इमारत से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। हालांकि गोदाम में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते छह गोदाम इसकी चपेट में आकर जलकर खाक हो गए। प्राथमिक जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी अग्निशमन दल की तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। आग बुझाने के दौरान पानी की कमी के चलते दमकल कर्मियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सौभाग्य से इस भीषण आग में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन छह गोदामों में रखा लाखों रुपये मूल्य का सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया है। आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जमीन हड़पने की नीयत से घर बुलाकर किया जानलेवा हमला, आधा दर्जन गंभीर

आक्रोशित ग्रामीणों ने घंटों किया सड़क जाम, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

अनवर हुसैन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला मीरपुर में दबंगों के एक गिरोह ने जमीन हड़पने की साजिश में एक पक्ष के युवक को घर बुलाकर उसपर जानलेवा हमला किया। बचाने के लिए गई महिलाएं और पुरुषों को भी पीटकर जख्मी कर दिया। दबंगई से त्रस्त ग्रामीणों ने शाहगंज बाईपास पर चक्का जाम कर दबंगई का विरोध जताया। घटना रविवार सुबह लगभग 8:30 बजे की है। सावन कुमार मौर्य उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र जय सिंह मौर्य अपने घर पर मौजूद थे। एक व्यक्ति चल रहे विवाद को बातचीत से हल करके निपटा लेने के बहाने बुलाकर विपक्षी के घर ले गया। जैसे ही सावन दबंग के घर पहुंचा वैसे ही उसपर चाकू लाठी डंडे से हमला कर दिया। घटना की जानकारी जब सावन के परिजनों को लगी तो सभी लोग भाग कर वहां पहुंचे, जहां उनके पुत्र को बेरहमी से पीटा जा रहा था। परिजनों को देखकर दबंगों ने उनपर भी जानलेवा हमला कर दिया। मौके पर पहुंची सावन की मां किरण देवी नानी प्रेम देवी उम्र लगभग 75 वर्ष पत्नी शिवाजी मौर्य नीरज मौर्य पुत्र शिवाजी मौर्य धीरज मोर्य को भी पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

सभी घायल जमीन पर गिरकर तड़प रहे थे। सूत्र बताते हैं कि जिस समय दबंग घटना को अंजाम दे रहे थे बड़ी संख्या में लोग तमाशाई बने देख रहे थे। दबंग घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। तब लोगों ने सभी घायलों को उपचार हेतु जिला अस्पताल ले गये। दबंगों ने इतनी बुरी तरह से पीटा है कि किरण देवी का हाथ और पैर दोनों टूट गया है। इस घटना में घायल सभी लोगों की हड्डियां कहीं ना कहीं से टूट गई है। घटना के बारे में बताया गया है कि किरन देवी की माता प्रेम देवी के नाम एक कीमती जमीन है जिसको दबंग जबरदस्ती हथियाना चाहता है।

पीड़ित किरण देवी का कथन है कि आज की घटना के पूर्व यह विवाद लगभग ढाई साल से चल रहा है। दबंगों द्वारा कई बार उसके परिवार पर हमला किया गया है जिसमें पुलिस द्वारा हल्की धाराओं में मामला दर्ज करने के कारण प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई जिसके कारण आज घटना घटित हो गई। लगातार दबंगों द्वारा हो रही घटनाओं से आक्रोशित ग्रामीणों ने चौकियां चौराहे शाहगंज जौनपुर मार्ग पर चक्का जाम कर विरोध जता रहे और दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। चक्का जाम के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। फिलहाल यह कहना कुछ गलत नहीं होगा कि स्थानीय थाने की पुलिस और चौकिया पुलिस इस क्षेत्र में जमीनी विवाद में जमकर लाभ लेने के चक्कर में विवाद बढ़ाने में कुछ कम नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही सूबे के मंत्री गिरीश चंद यादव जो शहरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक भी हैं जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल चाल लिया। कुछ ही देर में जिलाधिकारी एसपी सिटी समेत कई पुलिस के आला अधिकारी भी पहुंच गए। सभी अधिकारियों ने कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इस घटना में घायल सावन कुमार मौर्य को गंभीर चोट लगने के कारण ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया है। परिजनों का यह भी आरोप है की हमलावरों ने घायलों का मोबाइल फोन भी छीन लिया है और बाइक भी तोड़ दिया है। इस क्षेत्र में हो रही लगातार घटने से संपूर्ण क्षेत्रवासी दहशत के साए में जी रहे हैं।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत हो रहे अभिलेख सत्यापन के कार्यों का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में बनाए गए डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल सेंटर (डीसीसी) में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अंतर्गत हो रहे अभिलेख सत्यापन के कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में विभिन्न जनपदों एवं अन्य प्रांतों से प्राप्त मतदाता सत्यापन से संबंधित पत्रों के क्रम में यह विशेष अभियान आयोजित किया गया है, जिसके अंतर्गत जनपद के मूल निवासी जो अन्य जनपदों/प्रदेशों में निवास कर रहे है, उनके अभिलेखों के सत्यापन से संबंधित प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध, पारदर्शी एवं शुद्ध सत्यापन सुनिश्चित किया जाना है।

इस अभियान के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा विभाग, पंचायत राज विभाग, नगरपालिका, नगर पंचायत, शिक्षा विभाग सहित तहसील स्तर के समस्त संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को

सत्यापन कार्य में लगाया गया है। अभियान के दौरान प्राप्त सभी प्रमाण पत्रों एवं अभिलेखों की गहन जांच-पड़ताल कर सत्यापन की कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि जो अभिलेख ऑनलाइन माध्यम से सत्यापित किया जा सकता है, उन्हें ऑनलाइन विधि से ही सत्यापित किया जाए।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने निर्देश दिए कि सत्यापन कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों एवं समय-सीमा का पूर्णतः पालन किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची की शुद्धता एवं पारदर्शिता बनाए रखना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी परमानंद झा सहित अन्य उपस्थित रहे।

सिर कूचकर खनन व्यवसायी की निर्मम हत्या

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जिले के ओबरा थाना क्षेत्र के बघमनवा खनन क्षेत्र में शनिवार रात खनन व्यवसायी विष्णु हरि उपाध्याय (76) की निर्मम तरीके से सिर कूचकर हत्या कर दी गई। वारदात बघमनवा के पास स्थित एक प्लांट के समीप बने कार्यालय में हुई, जहां विष्णुहरि सो रहे थे। खनन व्यवसायी माधव हरि उपाध्याय के भाई थे और मूल रूप से थाना गोपीगंज, जिला भदोही के निवासी थे। ओबरा क्षेत्र में व्यवसाय के चलते वह बाबा धुलाई शिवनगर कॉलोनी में रह रहे थे। रविवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही पीआरबी और ओबरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। सूचना पाकर पहुंचे परिजनों का शव देखकर रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी अमित कुमार ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से अहम साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने वारदात के दौरान कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं चोरी की आशंका भी जताई जा रही है। एडिशनल एसपी अनिल कुमार ने बताया कि मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। आशंका है कि पत्थर से वार कर हत्या की गई है। परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। घटना में शामिल आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है।

टीडी पीजी कॉलेज में C-TET की द्वितीय पाली परीक्षा में दूसरे की जगह परीक्षा दे रहे 2 अभ्यर्थी पकड़ाए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइनबाजार क्षेत्रान्तर्गत टी0डी0 पीजी कॉलेज में C-TET की द्वितीय पाली परीक्षा में दूसरे की जगह परीक्षा दे रहे 02 व्यक्तियों को बायोमेट्रिक मिसमैच होने पर पकड़ा गया। प्र0नि0 लाइनबाजार के नेतृत्व में थाना लाइनबाजार पुलिस टीम द्वारा

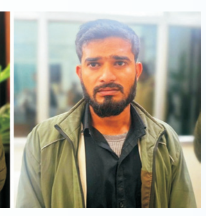

शिक्षक पात्रता परीक्षा द्वितीय पाली में टी०डी० पीजी कॉलेज में अनुराग चौबे पुत्र गिरीश चौबे निवासी तालामझवारा पोस्ट जलालपुर, जौनपुर व विपिन सिंह पुत्र रतिभान सिंह निवासी शिवपुरी, खाखरू, जिला- फतेहपुर ये दोनों दूसरे की जगह पेपर दे रहे थे जिसमें अनुराग चौबे , हिमांशु रंजन यादव पुत्र चन्द्रप्रकाश यादव की जगह और विपिन सिंह, यतेन्द्र कुमार यादव पुत्र श्री अवधेश कुमार यादव की जगह परीक्षा दे रहे थे इनको कॉलेज प्रशासन द्वारा बायोमेट्रिक मिसमैच होने पर कॉलेज प्रशासन द्वारा पकड़ा गया है, इस सम्बंध में थाना स्थानीय पर अनुराग चौबे उपरोक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 51/26 धारा 318(4)/ 336(2)/336(3) बीएनएस व 8/13(4)/13(5) उ0प्र0 सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनो का निवारण अधिनियम 2024) तथा विपिन सिंह उपरोक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 52/26 धारा 318(4)/ 336(2)/336(3) बीएनएस व 8/13(4)/13(5) उ0प्र0 सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनो का निवारण अधिनियम 2024) पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शिक्षा के महानायक चाणक्या फाउण्डेशन के अध्यक्ष का सेन्ट्रल बार में हुआ भव्य अभिनंदन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के सेन्ट्रल बार एसोसिएशन में अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह गौतम की अध्यक्षता में शिक्षा के महानायक चाणक्या फाउण्डेशन के संस्थापक अध्यक्ष अशोक गगन का अंग्रवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर भव्य अभिनंदन किया गया। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह गौतम के प्रस्ताव पर चाणक्या फाउण्डेशन के संस्थापक अध्यक्ष अशोक गगन ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता की नयी धारा लागू होने के बाद हाईटेक लाइब्रेरी का महत्व बढ़ गया है। हाईटेक लाईब्रेरी के महत्व को देखते हुए यह आवश्यक है कि लाइब्रेरी को आधुनिक तकनीक और सुरक्षा उपायों से लाया जाए ताकि वे डिजिटल साक्ष्य और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से संग्रहीत और प्रबंधित कर सकें।

द सेन्ट्रल बार एसोसिएशन की लाइब्रेरी विश्व स्तरीय सेन्ट्रल बार का पाण्डेय हाल का सुन्दरीकरण चाणक्या फाउण्डेशन करेगा तथा समाज का अंतिम व्यक्ति आर्थिक कोष के अभाव में न्याय से वंचित न हो इसके लिये चाणक्या फाउण्डेशन एक कोष चाणक्या फाउण्डेशन सेन्ट्रल बार एसोसिएशन को देगा जिससे निरीह की वैधानिक लड़ाई सेन्ट्रल बार योग्य अधिवक्ताओ के माध्यम से लड़े और काशी में निरीह एवं असहाय को न्याय दिलाये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश सिंह गौतम एवं संचालन आशीष सिंह ने किया परिचय एवं स्वागत अधिवक्ता विनय शंकर राय मुन्ना ने किया। प्रमुख रूप से राजेश प्रसाद सिंह, कृपा शंकर राय, अवधेश कुमार सिंह, अंकुर प्रकाश, एडोकेट सीता अशोक कुमार सिंह पूर्व अध्यक्ष सेंट्रल बार, आदि लोग उपस्थित थे।

अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा निशुल्क 30 दिवसीय सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह संपन्न

ग्रामीण क्षेत्र की बच्चियों और महिलाओं के लिए एक शानदार पहल: डॉली जोशी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम मे अग्रणी संस्था अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा महिलाओं और बच्चियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 30 दिवसीय सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन एक बार पुनः निखार

ब्यूटी पार्लर खुझी मोड जौनपुर प्रशिक्षण केंद्र में सम्पन्न हुआ! कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉली जोशी और विशिष्ट अतिथि प्रो सरिता सिंह सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित कर के किया गया! कार्यक्रम के स्वागत में ट्रस्ट कि अध्यक्ष उर्वशी सिंह ने ट्रस्ट द्वारा निरंतर किए जा रहे कार्यो का पूरा संक्षिप्त परिचय दिया। मुख्य अतिथि डॉली जोशी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की बच्चियों और महिलाओ को प्रमुखता से प्रशिक्षित करने का कार्य अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य है, हम शासन प्रशासन से निवेदन करेंगे ऐसे कल्याण कारी योजनाए जो सरकार द्वारा आयोजित होते हैं उसका भी सहयोग ट्रस्ट परिवार को मिलता रहे जिससे भविष्य में और विस्तृत रूप से कार्य किया जा सके। जिस तरह से ग्रामीण क्षेत्र की बच्चियों और महिलाओ को जागरुक करना और उनके अधिकारों के लिए आगे आकर कार्य करना बहुत ही पुनीत कार्य है, ट्रस्ट द्वारा निरंतर महिलाओं और बच्चियो को आत्मनिर्भर बनाने के कड़ी में इस तरह के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं जिसके अंतर्गत हर ब्लाक और हर तहसील में इस तरह के कार्य किए जा रहे हैं! विशिष्ट अतिथि प्रो सरिता सिंह ने कहा कि ट्रस्ट परिवार के द्वारा सदैव बेहतर कार्य किए जा रहे हैं जिसको देखते हुए हम सभी इस मुहिम का हिस्सा बनेंगे और बच्चियों और महिलाओ के लिए जो जरूरत होगी उपलब्ध कराने के साथ हम सभी ट्रस्ट परिवार के साथ खड़े रहेंगे! बहुत ही अच्छा लगा अपने क्षेत्र और विद्यालय की बच्चियों को इस तरह से प्रशिक्षण लेते हुए देख कर भविष्य में हमेशा आत्मनिर्भर बनाने मे इनकी एक पहल बहुत कारगर होगी! मुख्य अतिथि डॉली जोशी विशिष्ट अतिथि प्रो सरिता सिंह सिंह, क्षमा सिंह, के साथ कार्यक्रम की प्रशिक्षिका सरोज गुप्ता के द्वारा सभी बच्चियों एवं महिलाओ को किए गए बेहतर प्रदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया! प्रशिक्षण कार्यशाला के ट्रेनर के मुख्य रूप में सरोज गुप्ता, डिम्पल गुप्ता, पूजा पाल, सारिका,आंचल, नेहा नागर, चंदा गुप्ता, रही। प्रशिक्षण शिविर के अन्तर्गत कुल 4 श्रेणी में प्रतियोगिता रखा गया था। जिसमें बेस्ट मेकअप के लिए शिवानी प्रीति विश्वकर्मा, बेस्ट हेयर कट मे निकिता कन्नौजिया, श्रेया सोनकर, हेयर डू मे अंजलि नागर, चंचल नाविक बेस्ट स्किन में रोशनी प्रीति नाविक रही! कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष मीरा अग्रहरी और धन्यवाद क्षमा सिंह ने किया कार्यक्रम में ट्रस्ट परिवार के साथ साथ अन्य वरिष्ठ लोग उपस्थित रहे।

खुटहन पुलिस शातिर आरोपी को तमंचा व कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुंवर अनुपम सिंह द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष खुटहन रामाश्रय राय के नेतृत्व में उ0नि0 रामजन्म प्रसाद मय हमराह की सहायता से चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान एक व्यक्ति जितेन्द्र यादव पुत्र अमरदेव यादव ग्राम रमसापुर थाना करौदीकला जिला सुल्तानपुर को

एक तमंचा 2 बोर व एक जिन्दा कारतूस ,12 बोर व एक मोबाइल व एक मो0सा0 के साथ पिलकिछा से गायत्री नगर मार्ग बहद ग्राम बीरमपुर से दिनांक 08.02.2026 को रात्रि में नियमानुसार गिरफ्तार करते हुये हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 23/26 धारा 3/25 शस्त्र अधि0 पंजीकृत किया गया तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये समक्ष न्यायालय भेजा गया।

पतहना के पचपुरवा का नाम हुआ हनुमान नगर

अटल आवासीय विद्यालय के प्रवेशार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें मिलीं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करंजाकलां ब्लॉक के अंतर्गत पतहना गांव में रविवार को 'अपना गांव अपनी सरकार' पहल के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गांव के पचपुरवा का नाम बदलकर हनुमान नगर पतहना रखा गया। साथ ही, अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को निःशुल्क

पुस्तकों का वितरण भी किया गया।

इस नामकरण समारोह में क्षेत्र के ग्रामीण, युवा, महिलाएं, बालिकाएं और जनप्रतिनिधि सहित कई लोग उपस्थित रहे। सभी की उपस्थिति में पतहना गांव के आठवें पुरवा, जिसे पहले पचपुरवा के नाम से जाना जाता था, जिसे अब नया नाम हनुमान नगर पतहना घोषित किया गया।

कार्यक्रम में अटल आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को निःशुल्क पुस्तकें प्रदान की गईं। इस दौरान अभिभावक भी अपने बच्चों के साथ मौजूद थे। आयोजकों का उद्देश्य था कि इन पुस्तकों से छात्रों को अपनी पढ़ाई और तैयारी में मदद मिल सके।

यह कार्यक्रम स्थानीय जनता के सहयोग से संपन्न हुआ। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की, जिससे छात्रों को शिक्षा में सहायता मिली और गांव के एक हिस्से को नया नाम मिला।

जलनिगम के टँकी का मोटर व केबिल जली, पेयजल का संकट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद सिरकोनी ब्लॉक के मुरारपुर गांव में स्थित जल निगम की पानी टँकी का मोटर व केबिल जलने से दर्जन भर से ज्यादा गांव में पेयजल का संकट खड़ा हो गया है। ज्ञात हो ऊक्त क्षेत्र के काफी गांव में बोरिंग का पानी अधिकांश जगह खारा निकलता है ।ऊक्त गांव के लोगों को पेयजल के लिए जल निगम के पानी ही सहारा है ।ऊक्त पानी टँकी से हौज, मुरारपुर, अभेरवा, कादीपुर,

संघईपुर, सुरहुरपुर, समोपुर, ऊँचवा, शाहबड़ेपुर सहित कुछ अन्य गांव तक पेयजलापूर्ति होती है ।ऊक्त टँकी के आपरेटर रतन सिंह परमार ने बताया कि छह फरवरी को केबल तथा मोटर जल गए ।उसके बाद पैसा के अभाव में दोनो को नही बनवाया जा सका है ।उनका कहना है कि आधे से ज्यादा लोग पानी का बिल नही देते ।बिल का भुगतान नही होने से ही सारी समस्याएं आ रही है ।अगर समय से भुगतान हो जाता तो मोटर बन जाती।

रविदास जयंती पर हिसामपुर में भव्य समारोह

विधायक तुफानी सरोज रहे मुख्य अतिथि

गुड़िया बिन्द

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डोभी ब्लॉक अंतर्गत हिसामपुर गांव में शनिवार शाम करीब तीन बजे संत शिरोमणि रविदास जयंती समारोह

बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक तुफानी सरोज ने पहुंचकर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं संत शिरोमणि रविदास जी के चरणों में माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधायक तुफानी सरोज ने सामाजिक एकता, शिक्षा और विकास पर जोर देते हुए राजनीति से जुड़े महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने संत रविदास और बाबा साहब के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में आरती, अशोक महाजन का विशेष योगदान रहा। वहीं संजय राजभर, भगवती चंद सरोज, पवन मंडल,जितेंद्र यादव धनंजय निगम, संजीव भारती, गुलाब ठेकेदार, स्वामीनाथ चौधरी,अरविंद मास्टर, आशा अंबेडकर,सूबेदार मास्टर, सेक्टर प्रभारी बबलू यादव, खिचड़ी राम प्रधान, अमन, अवनीश कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी, जिससे आयोजन का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को मुंह मीठा कराकर सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन में भाईचारे, श्रद्धा और सामाजिक समरसता की झलक देखने को मिली।

हिस्ट्रीशीटर पर हमला करने का आरोप

जौनपुर में महिलाओं-बच्चों से मारपीट, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के मीरापुर गांव से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां हिस्ट्रीशीटर सूबेदार सिंह पर अपने साथियों के साथ एक परिवार पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगा है। पीड़ित परिवार का दावा है कि यह पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है, जिसमें महिलाओं और बच्चों के साथ भी बेरहमी से मारपीट होती दिखाई दे रही है।

पीड़ित अनुज सिंह उर्फ मोनू ,उनके छोटे भाई संतोष सिंह (बच्चा) और उनके बुजुर्ग पिता मान सिंह को गंभीर चोटें आई हैं। तीन लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। परिवार का आरोप है कि सूबेदार सिंह हाल ही में जेल से छूटकर आया है जिसे पूर्व में ज्योतिषी हत्याकांड में जिला जज जौनपुर द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। पीड़ितों के अनुसार, जेल से बाहर आने के बाद वह और उसके कथित साथी लगातार धमकियां दे रहे थे। पीड़ित परिवार ने यह भी दावा किया है कि आरोपित के पास कई हथियार हैं, जिनमें कुछ अवैध हथियार भी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पीड़ित मोनू सिंह ने प्रशासन से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर निष्पक्ष जांच और आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और सभी तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला पुलिस ने मिशनशक्ति 05 के अन्तर्गत सार्वजनिक स्थानों/स्कूलों/बाजार/चौक/गांवों इत्यादि पर किया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर, कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में जनपद जौनपुर की महिला पुलिस टीम द्वारा मिशनशक्ति05 के अन्तर्गत सार्वजनिक स्थानों/स्कूलों/बाजार/चौक/गांवों इत्यादि जगहों पर अभियान चलाकर महिलाओं/ बालिकाओं/ छात्राओं को किया जा रहा है जागरूक।

नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन

यू. पी. पुलिस की सेवाओं व शासन द्वारा चलाये जा रहें विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया जा रहा हैः 1090 - महिला पावर लाइन (महिलाओं के लिए हेल्पलाइन), 181 - महिला हेल्पलाइन (महिलाओं के लिए आपातकालीन सहायता), 112 - आपातकालीन सेवा (पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस के लिए), 1076 - सीएम हेल्पलाइन (मुख्यमंत्री कार्यालय के लिए शिकायतें और सुझाव), 1930 - साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन (साइबर अपराधों के लिए सहायता)।

छात्राओं को दी गई उपयोगी जानकारी

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर, वूमेन पावर लाइन : 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा : 112,महिला हेल्पलाइन : 181,मुख्यमंत्री हेल्पलाइन : 1076,चाइल्ड लाइन : 109, एम्बुलेंस सेवा : 108,स्वास्थ्य सेवा : 102,साइबर क्राइम हेल्पलाइन : 1930

प्रासंगिक विषयों पर मार्गदर्शन : गुड टचझबैड टच की जानकारी। घरेलू हिंसा व उससे संबंधित कानूनी प्रावधान। साइबर अपराधों के खतरों और उनसे बचाव के उपाय। शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ।

मिशन शक्ति केंद्रों की भूमिका: सभी को अवगत कराया गया कि जनपद के प्रत्येक थाने पर नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्र कार्यरत हैं। इन केंद्रों पर महिलाओं को त्वरित सहायता, परामर्श, शिकायत निस्तारण एवं योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

बदमाशों ने युवक को मारी गोली, पुलिस मान रही संदिग्ध

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र अंतर्गत खानपुर गांव निवासी दीपक सोनकर को बदमाशों द्वारा गोली मार दी गई। आनन फानन में उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार आरोप है कि उक्त गांव निवासी दीपक सोनकर को जगदीशपुर गांव निवासी आनंद सिंह वीरू विश्वकर्मा शिवांश सिंह ने मामूली विवाद में गोली मार दिया। पीड़ित के परिजनों ने आरोप लगाते हुए बताया कि हमारे घर वैवाहिक कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी कि इतने में उक्त लोग आए और कई राउंड गोली चला दी जिसमें से एक गोली दीपक सोनकर के पैर में जा लगी। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं पुलिस पूरे मामले को संदिग्ध मान रही है। पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश इसमें जुट गई है।

प्रजापति समाज विकास मंडल रजि.एनजीओ की बैठक संपन्न

पनवेल, नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था एनजीओ की कार्यकारिणी की बैठक पनवेल में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पिछले 11 जनवरी को संपन्न हुए 21वें वार्षिक सम्मेलन की समीक्षा की गई। सदस्यों के सुझावों पर चर्चा की गई तथा आगे होने वाले अन्य कार्यक्रमों को और बेहतर बनाने के लिए सुझावों को मान्य किया गया है। अध्यक्ष ने कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होने पर कार्यकारिणी के सभी सदस्यों पदाधिकारियों एवं सहयोग करने वाले सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया। बैठक में संस्था को सुचारू से चलने के लिए दो और नई नियुक्तियां की गई जिसमें अलीबाग तालुका के लिए राज किशोर प्रजापति को अध्यक्ष बनाया गया और पनवेल महानगरपालिका के लिए लव कुमार प्रजापति को युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया। बैठक में चंद्र प्रताप प्रजापति राष्ट्रीय अध्यक्ष,गजेंद्र प्रजापति राष्ट्रीय मुख्य महासचिव, इंदर प्रजापति रायगढ़ जिला महासचिव , गोवर्धन प्रजापति न्यू पनवेल शहर अध्यक्ष, सुबोध प्रजापति , इंद्र कुमार प्रजापति, राज किशोर प्रजापति ,पिंटू प्रजापति,लव कुमार प्रजापति,संजय प्रजापति, सियाराम प्रजापति , राकेश कुमार प्रजापति, रोहित प्रजापति आदि ने भाग लिया।

शिवनाद से जागेगा ब्रह्मांड, महाशिवरात्रि पर काशी से देवताओं को दिव्य आमंत्रण

वाराणसी। अनादि काल से शिव की नगरी काशी केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की जीवंत आत्मा मानी जाती रही है। इस वर्ष महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा एक ऐसा आध्यात्मिक नवाचार किया जा रहा है, जो भक्ति, परंपरा और आध्यात्मिक अनुभूति को एक नई ऊँचाई प्रदान करेगा। मंदिर न्यास ने समस्त ब्रह्मांड की सनातन, सात्त्विक एवं शिव-अनुग्रही शक्तियों को विधिवत आमंत्रण पत्र के माध्यम से श्री काशी विश्वनाथ धाम में पधारने का अभिनव उपक्रम किया है। इस दिव्य पहल के अंतर्गत धाम में विराजमान सभी देव विग्रहों के समक्ष यह पावन आमंत्रण सादर अर्पित किया गया। साथ ही महाशिवरात्रि महोत्सव को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण बनाने हेतु एक विशेष मंत्र-श्लोक की रचना की गई है, जिसके माध्यम से देवताओं का विधिवत आवाहन किया जा रहा है। इस मंत्र का भावार्थ भक्तिभाव से परिपूर्ण है, जिसमें फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की महाशिवरात्रि पर समस्त देवताओं, सात्त्विक शक्तियों एवं सनातन सत्ताओं को प्रणाम करते हुए, श्री काशी विश्वनाथ की सेवा में उनके शुभ आशीर्वाद की कामना के साथ काशी धाम में पधारने का आग्रह किया गया है। मंदिर न्यास द्वारा इस मंत्रोच्चार को धाम के पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लगातार एक घंटे तक प्रसारित किया जाएगा। सनातन परंपरा में मंत्रों के नाद को देव शक्तियों के आवाहन और आध्यात्मिक ऊर्जा के संचार का माध्यम माना जाता है। इसी विश्वास और श्रद्धा के साथ यह दिव्य अनुष्ठान संपन्न किया जाएगा, जिससे पूरा धाम मंत्रमय वातावरण में सराबोर हो उठेगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास स्वयं को बाबा विश्वनाथ का सेवक मानते हुए, समस्त न्यासकर्मियों एवं काशीवासियों की ओर से सभी देव शक्तियों को इस महाशिवरात्रि महोत्सव में ससम्मान आमंत्रित कर रहा है। न्यास की कामना है कि भगवान विश्वनाथ की कृपा और समस्त देव शक्तियों के आशीर्वाद से यह पर्व श्रद्धालुओं के जीवन में मंगल, कल्याण और आध्यात्मिक चेतना का नवीन प्रकाश फैलाए। महाशिवरात्रि के इस अलौकिक आयोजन के साथ काशी एक बार फिर अपनी सनातन परंपरा की गूंज से ब्रह्मांड को संदेश देने को तैयार है–जहां भक्ति केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मा का परमात्मा से मिलन बन जाती है।

अनार्ला मरीन पुलिस स्टेशन में खेल प्रतियोगिता का आयोजन

वसई रोड। वसई-विरार पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत अनार्ला मरीन पुलिस स्टेशन में डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, जोन-03, विरार के मार्गदर्शन में एक भव्य स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन का आयोजन जोश और अनुशासन के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेलों के माध्यम से सकारात्मक दिशा देना और समाज में स्वास्थ्य व एकता का संदेश फैलाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नालासोपारा विधायक राजन नाइक ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में मोबाइल फोन केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सुरक्षा, जानकारी और आपातकालीन संपर्क का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। उन्होंने मोबाइल के जिम्मेदार और सीमित उपयोग पर भी जोर दिया। इस अवसर पर वसई-विरार पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटील, सुहास बावचे (डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, जोन-03, विरार), विजय पाटिल (सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर, अनार्ला मरीन पुलिस स्टेशन), सुनील जयभाये (असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस, नालासोपारा डिवीजन), ज़िला वाइस प्रेसिडेंट कपिल म्हात्रे तथा अनार्ला के पूर्व सरपंच भरत भोईर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस आयोजन ने युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा दिया। पुलिस प्रशासन द्वारा की गई यह पहल निश्चित रूप से समाज को एक सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश देती है।

ब्रज से काशी पहुंचा भक्ति का दिव्य श्रृंगार, बाबा विश्वनाथ को अर्पित हुई पूजन सामग्री

सुरेश गांधी

वाराणसी। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सनातन परंपरा की अद्भुत झलक उस समय देखने को मिली जब मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मस्थली से बाबा श्री काशी विश्वनाथ के लिए विशेष श्रृंगार एवं पूजन सामग्री भेंट स्वरूप अर्पित की गई। इस आध्यात्मिक भेंट ने काशी और ब्रज धाम के सांस्कृतिक एवं धार्मिक संबंधों को एक नया और ऐतिहासिक आयाम प्रदान किया है। यह पहल श्रद्धा, समन्वय और सनातन संस्कृति की अखंडता का जीवंत प्रतीक बनकर सामने आई है।

महाशिवरात्रि भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाहोत्सव का पर्व माना जाता है। इस अवसर पर बाबा विश्वनाथ का विशेष श्रृंगार और पूजन अत्यंत धार्मिक महत्व रखता है। इसी परंपरा को और भव्य बनाने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण जन्मस्थली से पूजन एवं श्रृंगार सामग्री काशी भेजी गई, जिसे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बाबा विश्वनाथ को समर्पित किया गया। इस दिव्य आयोजन ने श्रद्धालुओं के बीच विशेष उत्साह और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना दिया।

धार्मिक विद्वानों का मानना है कि काशी और ब्रज धाम सनातन संस्कृति के दो प्रमुख आध्यात्मिक स्तंभ हैं। काशी जहां भगवान शिव की मोक्षदायिनी नगरी के रूप में विश्व विख्यात है, वहीं मथुरा और ब्रजभूमि भगवान श्रीकृष्ण की लीला, प्रेम और भक्ति की पावन धरती मानी जाती है। इन दोनों तीर्थों के मध्य धार्मिक परंपराओं का यह आदान-प्रदान सनातन संस्कृति की उस मूल भावना को साकार करता है, जिसमें संपूर्ण भारत की आध्यात्मिक धारा एक सूत्र में बंधी हुई दिखाई देती है।

यह अभिनव पहल हरिहर के शाश्वत और अद्भुत संबंध को भी सजीव रूप में प्रस्तुत करती है। सनातन मान्यता के अनुसार भगवान विष्णु और भगवान शिव एक-दूसरे के पूरक माने जाते हैं। भगवान विष्णु जहां सृष्टि के पालनकर्ता हैं, वहीं भगवान शिव संहार और कल्याण के अधिष्ठाता हैं। दोनों की उपासना और समन्वय लोकमंगल और सृष्टि संतुलन का आधार माना जाता है। ऐसे में श्रीकृष्ण जन्मस्थली से बाबा विश्वनाथ के लिए श्रृंगार सामग्री की भेंट इस दिव्य एकत्व का आध्यात्मिक संदेश लेकर आई है।

उल्लेखनीय है कि तीर्थों के मध्य धार्मिक सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करने की यह परंपरा पिछले कुछ वर्षों में नई गति से आगे बढ़ रही है। गत वर्ष रंगभरी एकादशी के अवसर पर काशी और मथुरा के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की पहल की गई थी। इसके अतिरिक्त पवित्र तीर्थ जल योजना के माध्यम से काशी और रामेश्वरम धाम के मध्य आध्यात्मिक सेतु स्थापित करने का प्रयास भी किया गया है। इसी क्रम में काशी और ब्रज धाम के बीच यह नई परंपरा सनातन संस्कृति के विस्तार और एकता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर बाबा विश्वनाथ को अर्पित की गई यह भेंट श्रद्धालुओं के लिए भक्ति, समरसता और सांस्कृतिक गौरव की अनुपम अनुभूति लेकर आई। इस आयोजन ने न केवल काशी और ब्रज के मध्य धार्मिक संबंधों को प्रगाढ़ किया, बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं के बीच सनातन संस्कृति की व्यापकता और एकात्मता का संदेश भी प्रसारित किया।

काशी में सजेगा शिव-गौरा विवाह का अद्भुत आसमानी श्रृंगार

वाराणसी। देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी एक बार फिर महाशिवरात्रि के दिव्य उल्लास में डूबने को तैयार है। इस वर्ष महाशिवरात्रि पर काशी में शिव-विवाह की सदियों पुरानी परंपरा में एक नया सांस्कृतिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। पहली बार बाबा विश्वनाथ और माता गौरा की चल प्रतिमा असमिया पारंपरिक परिधान और आभूषणों से सुसज्जित होकर भक्तों को अलौकिक दर्शन देंगी। यह श्रृंगार केवल सौंदर्य का विस्तार नहीं, बल्कि काशी और असम की प्राचीन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के मधुर संगम का सजीव प्रतीक बनेगा।

महाशिवरात्रि में अब एक सप्ताह का समय शेष है और शिव-विवाह से जुड़ी तैयारियां अपने चरम पर पहुंच चुकी हैं। टेढ़ीनीम स्थित विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत आवास में बाबा विश्वनाथ की हल्दी, विवाह, शिव बारात और गौना की रस्मों को लेकर वातावरण पूरी तरह भक्तिरस में सराबोर हो चुका है। श्रद्धालुओं में इस दिव्य आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है और भक्त स्वयं को शिव बारात का बराती मानकर इस अनुष्ठान में सहभागी बनने को आतुर हैं।

पूर्व महंत के पुत्र वाचस्पति तिवारी ने बताया कि इस वर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा विश्वनाथ और माता गौरा के विशेष परिधान असम के शिवसागर से मंगाए गए हैं। बाबा विश्वनाथ की चल प्रतिमा को असमिया पुरुष परिधान चेलेंग और गसोमा से अलंकृत किया जाएगा। असम की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा यह परिधान बाबा को राजसी और दिव्य स्वरूप प्रदान करेगा। वहीं माता गौरा को लाल और सुनहरे रंग की पारंपरिक रेशमी मेखेला साड़ी पहनाई जाएगी, जो असम की स्त्री सौंदर्य परंपरा का प्रतिनिधित्व करती है। माता गौरा के श्रृंगार को और अधिक भव्य बनाने के लिए असमिया पारंपरिक आभूषणों का भी विशेष चयन किया गया है। जूनबीरी के अर्धचंद्राकार हार, गुमखारू के पारंपरिक कंगन और थुरिया के मांगटिका से माता गौरा का स्वरूप नववधू के रूप में अद्भुत और अलौकिक दिखाई देगा। यह श्रृंगार भक्तों को शिव-पार्वती विवाह की पौराणिक स्मृतियों से भावविभोर कर देगा। महंत आवास में इस दिव्य श्रृंगार को मूर्त रूप देने का कार्य काशी की सांस्कृतिक कलाकार आकांक्षा गुप्ता के नेतृत्व में किया जा रहा है। कलाकारों की टोली लोक कल्याण और अखंड सौभाग्य की मंगल कामना के साथ माता गौरा के स्वरूप को आकार दे रही है। पारंपरिक कला, श्रद्धा और आध्यात्मिक भावनाओं का यह स्मरणीय संगम श्रृंगार को विशेष आभा प्रदान कर रहा है। इस बार ऐतिहासिक शिव बारात में भी काशी की पारंपरिक कारीगरी की झलक दिखाई देगी।

ब्रेन हेमरेज पीड़ित के इलाज हेतु सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने किया आर्थिक सहयोग

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। प्रयागराज निवासी गंगाराम प्रजापति गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं। आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर होने के कारण वे अपना समुचित इलाज कराने में असमर्थ थे। दुखद स्थिति यह है कि जनवरी माह में ही उनके बड़े पुत्र का हृदयाघात से निधन हो गया था, जिससे परिवार पहले से ही गहरे सदमे में था। इसी क्रम में 27 जनवरी को गंगाराम प्रजापति को हार्ट अटैक एवं ब्रेन हेमरेज हो गया, जिसके कारण इलाज बीच में ही रुक गया। इस कठिन समय में जंघई, प्रयागराज निवासी संतोष प्रजापति, जो सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट की टीम से पूर्व से जुड़े हुए हैं, ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल ट्रस्ट के संस्थापक अजय प्रजापति, अरुण प्रजापति, इन्द्रजीत प्रजापति एवं विनोद प्रजापति को अवगत कराया। सूचना मिलते ही सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने त्वरित निर्णय लेते हुए सहयोगियों से अपील की और मेडिकल उपचार हेतु 25,000/- की आर्थिक सहायता गंगाराम प्रजापति के परिवार को प्रदान की। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक अजय प्रजापति ने सभी सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट सदैव जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने गंगाराम प्रजापति के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस पर महामण्डलेश्वर स्वामी विनय स्वरूपानंद का उद्बोधन

मुंबई। मुंबई के वरली स्थित सेन्चुरी मिल कामगार वसाहत में हरिहर संत सेवा मंडल के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस पर परम पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी श्री विनय स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर स्वामी जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भगवान के अवतार रहस्य पर गहन और सारगर्भित प्रकाश डाला।

स्वामी जी ने बताया कि भगवान के अवतार दो प्रकार के होते हैं– अन्वय और व्यतिरेक। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि श्री रामावतार अन्वय अवतार है, जबकि श्री कृष्णावतार व्यतिरेक अवतार है। श्री राम का अवतार राजमहलों में हुआ, वहीं श्री कृष्ण का जन्म कारागार में हुआ। श्री राम ने एक पत्नी व्रत का पालन करते हुए माता सीता से विवाह किया, जबकि श्री कृष्ण ने इसके विपरीत 16,108 विवाह किए। इस प्रकार श्री राम और श्री कृष्ण के जीवन में अन्वय और व्यतिरेक का निरंतर दर्शन होता है।

स्वामी जी महाराज ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्री राम नाम रूपी अमृत ही जीवन का सार है और अंत समय में केवल राम नाम ही काम आता है। उन्होंने यह भी कहा– पढ़ने की हद समझ है, समझने की हद ज्ञान है और ज्ञान की हद हरि नाम है। इस सिद्धांत को आत्मसात करने का संदेश उन्होंने सभी भक्तों को दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने स्वामी जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं, सातों दिनों तक व्यास पीठ पर विराजमान स्वामी श्री अप्रमेय प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने भक्तों को मानव जीवन के उद्देश्य, सदाचार और भगवत भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

इस धार्मिक आयोजन में हरिहर संत सेवा मंडल के पदाधिकारी एवं समाजसेवीगण– रजनीकांत दीक्षित, बालगोविंद तिवारी, अनिल तिवारी, बिड़ला, धार्मिक अघाड़ी से सुरेश मिश्र, करुणा शंकर शास्त्री, उमाकांत तिवारी

गंगा पुल पर ट्रेन से कटकर एएनएम छात्रा की मौत

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। फाफामऊ के गंगा पुल स्थित रेलवे ट्रैक पर शनिवार की सुबह एक 19 वर्षीय छात्रा का शव मिला है। सूचना पर पहुंची शिवकुटी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आजमगढ़ जिले के मीरअहमदपुर दीदारगंज निवासी जय प्रकाश किसान हैं। उनके चार बच्चों में बड़ी बेटी दीपिका (19) तेलियरगंज में किराए का कमरा लेकर एएनएम की पढ़ाई करती थी। शनिवार की सुबह शिवकुटी पुलिस को सूचना मिली कि फाफामऊ के गंगा पुल स्थित रेलवे ट्रैक पर एक युवती का शव पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त दीपिका के रूप में की। पुलिस ने मृतका के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। खबर पाकर मोर्चरी पहुंचे मृतका के चाचा कमल सिंह ने बताया कि दीपिका अपने मामा के बच्चों के साथ तेलियरगंज में किराए का कमरा लेकर रहती थी। वह पढ़ने में होशियार थी। उसके साथ क्या हुआ उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं है। पुलिस ने बताया कि दीपिका ने रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के सामने कूदकर सुसाइड किया है। जबकि परिजन कुछ भी बोलने से इनकार कर रहे हैं। हालांकि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। दीपिका की मौत की खबर सुनकर मोर्चरी पहुंचे चाचा कमल सिंह और पिता जय प्रकाश सिंह ने बताया कि बेटी को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं थी।

पुलिस मुठभेड़ में पशु तस्कर गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जिले के थाना जहानागंज क्षेत्र में शनिवार की रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें एक कुख्यात गो-तस्कर घायल हो गया। जबकि उसका एक साथी भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से अवैध तमंचा-कारतूस, एक पिकअप वाहन तथा एक गोवंश (बछड़ा) बरामद किया है। एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि एसपी डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में शनिवार की देर रात थाना जहानागंज पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण एवं संदिग्ध व्यक्ति व वाहन चेकिंग के दौरान यह कार्रवाई की गई। पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम गंभीरवन (बड़ैला ताल) के पास एक पिकअप वाहन में संरक्षित गोवंश लादा जा रहा है। सूचना पर तत्काल घेराबंदी की गई। स्वयं को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी।

मतदाता सूची से मुस्लिमों का नाम कटवाना चाहती है भाजपा : ललई

शाहगंज स्थित एक निजी होटल में हुई प्रेस वार्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सपा के पूर्व ऊर्जा मंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने शाहगंज स्थित एक निजी होटल में शनिवार की देर शाम एक प्रेस वार्ता आयोजित की। इस मामले को लेकर पूर्व मंत्री ने डीएम से बात करके इस पर अंकुश लगाने की मांग की है। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि भाजपा प्रलोभन और धमकी देकर मतदाता सूची से मुस्लिमों का वोट कटवाना चाहती है। उन्होंने बताया कि भाजपा के लोग विधानसभा क्षेत्र के कानामऊ में नौकरी खा जाने, मुकदमा दर्ज करवाने या कार्रवाई की धमकी देकर मतदाता सूची से नाम कटवाना चाह रहे हैं लेकिन बीएलओ लालच में नहीं आए। यह भी कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता बोले कि सही हो या गलत मुसलमानों का नाम काटिए। बताया कि इसकी जानकारी जगह-जगह से

अपनी पार्टी के लोगों से उन्हें मिली। उन्होंने कहा कि फॉर्म सात भरके हड़बड़ी में 17 फॉर्म ले गए जिस फार्म पर हस्ताक्षर भी नहीं थे। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया है कि भाजपा कार्यकर्ता जाकर मुस्लिम मतदाताओं से सत्ता और ताकत की धौंस देकर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र के उसरहटा और शेख अशरफपुर में एसआईआर मामले में एक बीएलओ की ऑडियो भी अपने पास होने का दावा किया। उन्होंने बताया कि मतदाताओं के अनुसार प्रिंटेड फॉर्म भाजपा के लोगों द्वारा पहुंचा जा रहा है जिसमें न तो हस्ताक्षर हैं और न ही एपिक नंबर है। गांव के लोग जानकारी मिलने पर वोट बचाने के लिए बीएलओ से मिलने गए तो भोर में ही आकर आरोपी फॉर्म लेकर भागे। बीएलओ ने फार्म पर दस्तखत करने से इनकार किया। उन्होंने भाजपाइयों पर बड़ागांव में सौ से अधिक फॉर्म अवैध ढंग से देकर वोट काटने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रशासन से मांग किया कि जब एसआईआर की पहली प्रक्रिया पूरी है तो इस पर आरोपियों के खिलाफ चोरी का मुकदमा लिखा जाना चाहिए।

भाजपा जिलाध्यक्ष का पलटवार

पूर्व ऊर्जा मंत्री के आरोपों पर भाजपा के जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने पलटवार किया है। जिलाध्यक्ष ने पूर्व मंत्री के बयान को अनर्गल प्रलाप बताया। उन्होंने कहा कि इसका कोई मतलब नहीं। कोई भी किसी के ऊपर आरोप लगा सकता है। बीएलओ जांच करके ही किसी का नाम मतदाता सूची से काट सकता है जिसका उन्हें प्रमाण देना होगा। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार में उन सबने जो गलत काम किया है, इस सरकार में भी वैसी ही उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की सरकार में किसी भी कीमत पर गलत नहीं हो सकता। अगर फॉर्म सात के माध्यम से बीजेपी के लोग आपत्ति कर रहे हैं तो इससे पहले सपा के लोग बिना आपत्ति के ही पूरा नाम मतदाता सूची से उड़ा देते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले या तहसील से सपा की सरकार में मतदाताओं के नाम गायब हो जाते थे। उन्होंने बताया कि फार्म सात पर एपिक नंबर और नाम भी रहता है। आजकल सोशल मीडिया का दौर है, ऑनलाइन फॉर्म ही डाउनलोड हो जाता है। उन्होंने ऑडियो क्लिप के बयान पर कहा कि बीएलओ को निर्वाचन प्रक्रिया अथवा नामावली की कोई जानकारी नहीं है। उसे समस्या का निस्तारण जांच के बाद ही करना होगा। हस्ताक्षर के बाद ही उसकी रसीद देंगे। सपाई भी फार्म सात भरकर अवैध मतदाताओं का नाम कटवाने का आरोप लगा सकते हैं।